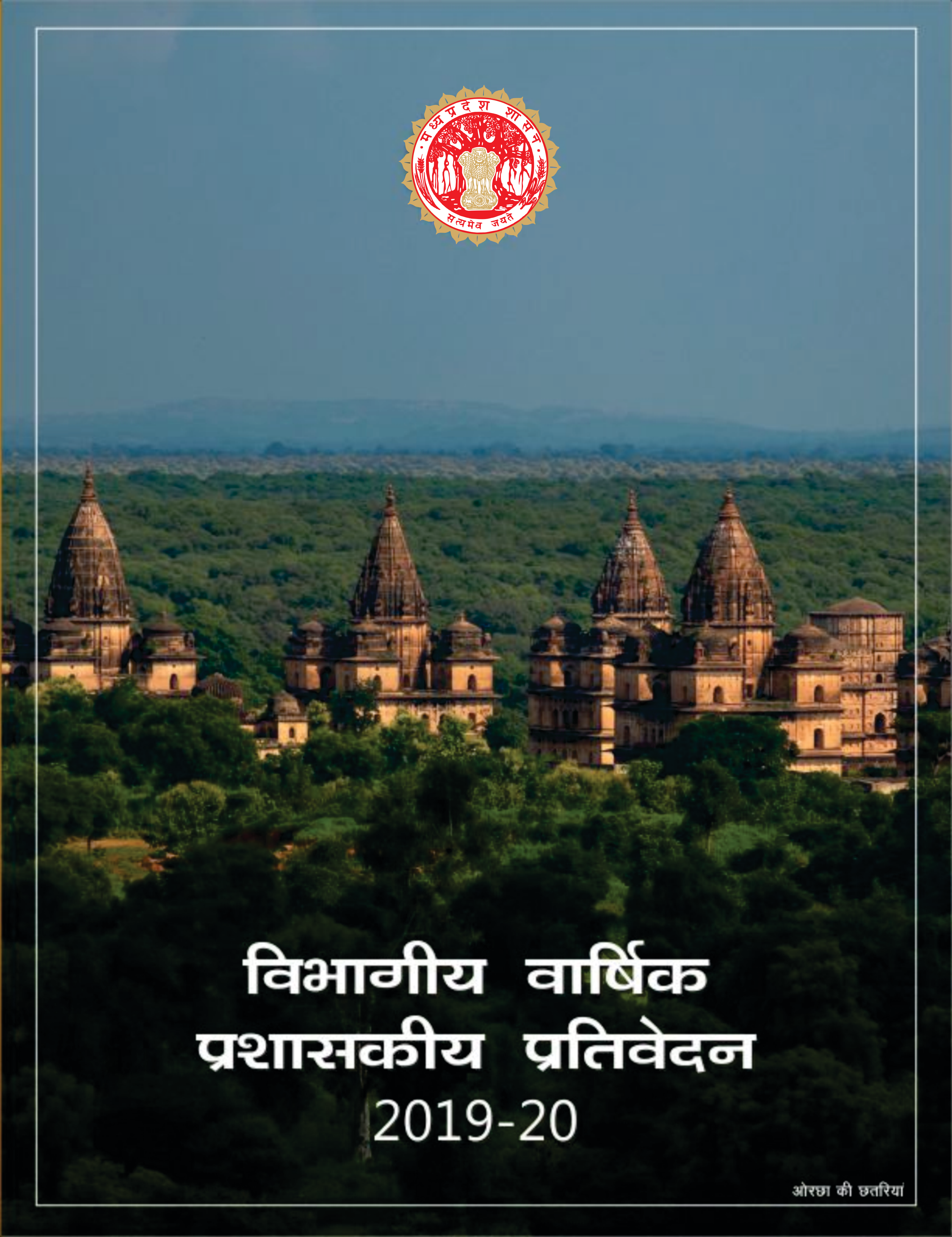

# विभागीय वार्षिक प्रशासकीय प्रतिवेदन

## 2019-20

ओरछा की छतरियां

# विभागीय वार्षिक प्रशासकीय प्रतिवेदन

# 2019–20

The heart of
Incredible India

# मध्यप्रदेश शासन
# पर्यटन विभाग

# मध्यप्रदेश शासन
# पर्यटन विभाग
## (01.01.2019 से 31.03.2020)

| | |
|---|---|
| मुख्यमंत्री | श्री कमलनाथ (दिनांक 17.12.2018 से 22.03.2020 तक) |
| मुख्यमंत्री | श्री शिवराज सिंह चौहान (दिनांक 23.03.2020 से निरंतर) |
| मंत्री | श्री सुरेन्द्र सिंह हनी बघेल (दिनांक 25.12.2018 से 22.03.2020 तक) |

## सचिवालय

## प्रमुख सचिव

| | |
|---|---|
| श्री हरि रंजन राव (भा.प्र.से.) | दिनांक 01.01.2018 से 14.07.2019 तक |
| श्री फैज अहमद किदवई (भा.प्र.से.) | दिनांक 30.01.2020 से निरंतर |

## सचिव

| | |
|---|---|
| श्री फैज अहमद किदवई (भा.प्र.से.) | दिनांक 15.07.2019 से 30.01.2020 तक |

## उप सचिव

| | |
|---|---|
| श्रीमती भावना वालिम्बे (भा.प्र.से.) | दिनांक 07.01.2019 से 23.06.2019 तक |
| डॉ. प्रज्ञा अवस्थी | दिनांक 24.06.2019 से 01.11.2019 तक |
| श्रीमती भावना वालिम्बे (भा.प्र.से.) | दिनांक 02.11.2019 से 17.02.2020 तक |
| सुश्री सोनिया मीना (भा.प्र.से.) | दिनांक 09.03.2020 से निरंतर |

## अवर सचिव

| | |
|---|---|
| श्रीमती पद्मरेखा ढोले | दिनांक 05.12.2015 से निरंतर |

## विभागाध्यक्ष

### आयुक्त

| | |
|---|---|
| श्री हरि रंजन राव (भा.प्र.से.) | दिनांक 23.09.2015 से 14.07.2019 तक |
| श्री फैज अहमद किदवई (भा.प्र.से.) | दिनांक 15.07.2019 से निरंतर |

### उपायुक्त

| | |
|---|---|
| श्रीमती भावना वालिम्बे (भा.प्र.से.) | दिनांक 07.01.2019 से 04.07.2019 तक |
| डॉ. प्रज्ञा अवस्थी | दिनांक 05.07.2019 से 02.11.2019 तक |
| श्रीमती भावना वालिम्बे (भा.प्र.से.) | दिनांक 02.11.2019 से 17.02.2020 तक |
| सुश्री सोनिया मीना (भा.प्र.से.) | दिनांक 09.03.2020 से निरंतर |

### लेखाधिकारी

| | |
|---|---|
| श्री हेमन्त भांगरे | दिनांक 27.07.2013 से निरंतर |

---

## एम.पी. स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

---

**(01.01.2019 से 31.03.2020)**

### प्रबंध संचालक

| | |
|---|---|
| श्री इलैयाराजा टी. (भा.प्र.से.) | दिनांक 01.06.2018 से 25.02.2019 तक |
| श्री हरि रंजन राव (भा.प्र.से.) | दिनांक 25.02.2019 से 15.07.2019 तक |
| श्री फैज अहमद किदवई (भा.प्र.से.) | दिनांक 15.07.2019 से 03.03.2020 तक |
| श्री अनय द्विवेदी (भा.प्र.से.) | दिनांक 03.03.2020 से निरंतर |

### अपर प्रबंध संचालक

| | |
|---|---|
| सुश्री सोनिया मीना (भा.प्र.से.) | दिनांक 05.03.2019 से 09.03.2020 |

---

## मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड

---

**(01.01.2019 से 31.03.2020)**

### प्रबंध संचालक

| | |
|---|---|
| श्री हरि रंजन राव (भा.प्र.से.) | दिनांक 22.02.2017 से 14.07.2019 तक |
| श्री फैज अहमद किदवई (भा.प्र.से.) | दिनांक 15.07.2019 से निरंतर |

### अपर प्रबंध संचालक

| | |
|---|---|
| श्रीमती भावना वालिम्बे (भा.प्र.से.) | दिनांक 27.06.2018 से 17.02.2020 |
| सुश्री सोनिया मीना (भा.प्र.से.) | दिनांक 09.03.2020 से निरंतर |

# अनुक्रमणिका


| क्र. | विषयवस्तु | पेज क्र. |
|---|---|---|
| 1. | पर्यटन विभाग की संरचना एवं कार्यक्षेत्र (भाग–एक ''अ'') | 1–2 |
| 2. | आयुक्त पर्यटन कार्यालय की संरचना एवं कार्यक्षेत्र (भाग–एक''ब'') | 3 |
| 3. | म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम लि. का गठन एवं कार्यक्षेत्र (भाग–एक''स'') | 4–5 |
| 4. | मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड का गठन एवं कार्यक्षेत्र (भाग–एक''द'') | 6–7 |
| 5. | विभागीय जानकारी (भाग–एक ''ई'') | 8 |
| 6. | बजट वित्तीय वर्ष 2018–19 (भाग–दो ) | 9–11 |
| 7. | तीन वर्षों (2016–17 से 2018–19) के बजट प्रावधान एवं व्यय का विवरण (भाग–तीन ''अ'') | 12–13 |
| 8. | केन्द्र प्रवर्तित योजनाएं (भाग–तीन ''ब'') | 14 |
| 9. | जांच समितियों का गठन (भाग–चार) | 15 |
| 10. | अभिनव योजनाएं (भाग–पाँच) | 16 |
| 11. | प्रकाशन (भाग–छ) | 17 |
| 12. | सारांश (भाग–सात) | 18–19 |
| 13. | पर्यटन विभाग के अंतर्गत महिला नीति (भाग–आठ) | 20 |
| 14. | म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम लि. द्वारा संचालित इकाईयां (परिशिष्ट–एक) | 21–22 |
| 15. | वर्ष 2016–17 के बजट की स्थिति (परिशिष्ट–दो) | 23–24 |
| 16. | वर्ष 2017–18 के बजट की स्थिति (परिशिष्ट–तीन) | 25–26 |
| 17. | वर्ष 2018–19 के बजट की स्थिति (परिशिष्ट–चार) | 27–29 |
| 18. | स्वदेश एवं प्रसाद योजनाएं (परिशिष्ट–पाँच) | 30 |
| 19. | निगम के बेडे में उपलब्ध वाहन (परिशिष्ट–छः) | 31 |
| 20. | वर्ष 2018 में मध्यप्रदेश के विभिन्न पर्यटन केन्द्रों में पर्यटक आगमन (परिशिष्ट–सात ''अ'') | 32 |
| 21. | वर्ष 2019 में मध्यप्रदेश के विभिन्न पर्यटन केन्द्रों में पर्यटक आगमन (परिशिष्ट–सात ''ब'') | 33 |
| 22. | मध्यप्रदेश पर्यटन को वर्ष 2019 में प्राप्त पुरस्कार (परिशिष्ट–आठ) | 34 |
| 23. | कौशल संवर्धन एवं प्रशिक्षण की वर्ष 2019 की उपलब्धियां (परिशिष्ट–नौ) | 35–41 |
| 24. | आयोजन एवं विपणन की उपलब्धियां (परिशिष्ट–दस) | 42–48 |
| 25. | रचनात्मकता एवं प्रचार–प्रसार की उपलब्धियां (परिशिष्ट ग्यारह) | 49–52 |
| 26. | निवेश संवर्धन की उपलब्धियां (परिशिष्ट–बारह) | 53–58 |
| 27. | पर्यटन अधोसंरचना संबंधी उपलब्धियां (परिशिष्ट–तेरह) | 59–61 |
| 28. | साहसिक एवं जलक्रीड़ा पर्यटन संबंधी उपलब्धियां (परिशिष्ट–चौदह) | 62–64 |

# भाग – एक (अ)

## पर्यटन विभाग की संरचना एवं कार्यक्षेत्र

भारत की हृदयस्थली के रूप में मध्यप्रदेश अपने विस्तृत क्षेत्र में पर्यटन की असीम संभावनाओं को समेटे हुये है। सतपुड़ा एवं विन्ध्याचल पर्वत श्रृंखलाओं से आच्छादित इस प्रदेश में विभिन्न रूचि के पर्यटकों के लिए सांस्कृतिक विरासत, नैसर्गिक सौन्दर्य, कलात्मक मंदिर, स्तूप, वैभवशाली किले, राजप्रासाद एवं पुरातत्वीय महत्व के स्मारक स्थल हैं।

वर्तमान में अनेक पर्यटन केन्द्र प्रदेश में पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। इन केन्द्रों में से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त केन्द्र हैं, जिन्हे नीचे दर्शाये अनुसार वर्गीकृत किया जा सकता है :–

1. ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व के स्थान–खजुराहो, सांची, माण्डू, ग्वालियर, ओरछा एवं भीमबैठका।
2. प्राकृतिक सौन्दर्य के स्थल – पचमढ़ी, भेड़ाघाट, हनुवंतिया जल महोत्सव स्थल आदि।
3. धार्मिक महत्व के स्थान – उज्जैन, अमरकण्टक, ओंकारेश्वर, महेश्वर, चित्रकूट, मैहर, बुरहानपुर।
4. राष्ट्रीय वनोद्यान – कान्हा, बाँधवगढ, पेंच, पन्ना, सतपुड़ा, संजय–डुबरी, माधव राष्ट्रीय उद्यान, वन विहार भोपाल एवं मंडला फासिल्स पार्क।
5. प्रमुख जलाशय – भोपाल, गांधीसागर, इंदिरासागर, बाणसागर, तवा, बरगी, ओंकारेश्वर, मड़ीखेड़ा, हलाली, चांदपाठा, बेतवा रिवर, चौरल, गंगुआ, बारना, मान, जोबट फाटा, धोलाबाड़, तिगरा, किशनपुरा, गोविन्दगढ़, कोलार, माचागोरा, सपना।

देश एवं प्रदेश के आर्थिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक विकास में पर्यटन के महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुये प्रदेश के पर्यटन केन्द्रों के विकास, बुनियादी सुविधाओं को उपलब्ध कराये जाने, स्थलों के प्रचार–प्रसार आदि को दृष्टिगत रखकर प्रदेश में इस कार्य हेतु पृथक रूप से विभाग रखे जाने की आवश्यकता महसूस की गई।

सचिवालय स्तर पर वर्ष 1972 में पर्यटन विभाग को स्वतन्त्र रूप से अस्तित्व में लाया गया। इससे पूर्व वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के अंतर्गत पर्यटन प्रकोष्ठ द्वारा पर्यटन संबंधी गतिविधियों का संचालन किया जाता था।

- **संरचना**

| स.क्र. | पदनाम | संख्या |
|---|---|---|
| 1. | मंत्री | 1 |
| 2. | प्रमुख सचिव / सचिव | 1 |
| 3. | अपर सचिव / उप सचिव | 1 |
| 4. | अवर सचिव | 1 |
| 5. | अनुभाग अधिकारी | – |
| 6. | सहायक ग्रेड – I | 2 |
| 7. | सहायक ग्रेड – II | 1 |
| 8. | सहायक ग्रेड – III | 2 |
| | **योग** | **9** |

- **कार्यक्षेत्र**

पर्यटन विभाग का मुख्य दायित्व प्रदेश में पर्यटन स्थलों को चिन्हित करना, पर्यटन स्थलों पर अधोसंरचना का विकास, केन्द्र एवं राज्य शासन के निर्देशों का पालन एवं आर्थिक सहायता प्राप्त कर पर्यटन विकास की परियोजनाओं पर कार्य करना, मंत्रि–परिषद के निर्णयों का क्रियान्वयन, अन्य विभागों से समन्वय का कार्य, प्रदेश के पर्यटन स्थलों की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए प्रचार–प्रसार, पर्यटन साहित्य का प्रकाशन, उत्सव/मेलों का आयोजन, युवा एवं साहसिक पर्यटन का विकास, वार्षिक योजना एवं बजट संबंधी कार्य, पर्यटन नीति के प्रतिपादित सिद्धांतों का पालन करना, निजी निवेशकों को आकर्षित करना एवं पर्यटन क्षेत्र में रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण उपलब्ध कराना आदि है।

उपरोक्त कार्यों के सुचारू संचालक हेतु पर्यटन विभाग के अंतर्गत आयुक्त पर्यटन कार्यालय, मध्यप्रदेश स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कार्पोरेरशन लिमिटेड एवं मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड का गठन किया गया है।

1. संसदीय कार्यों से संबंधित की गई कार्यवाही
   क) वर्ष 2018–19 में महामहिम राज्यपाल महोदय के उद्बोधन में पर्यटन विभाग से संबंधित ऐसा कोई बिन्दु नहीं था, जिसपर कार्यवाही की जाना अपेक्षित हो।
   ख) वर्ष 01.01.2019 से 31.12.2019 तक संसदीय कार्यों की स्थिति निम्नानुसार है :–
   उक्त अवधि में कुल 60 विधानसभा प्रश्न प्राप्त हुये थे, जिनमें से प्रत्यक्ष रूप के 55 एवं अन्य विभाग से संबंधित निरंक प्रश्न थे। प्रत्यक्ष रूप से प्राप्त विधानसभा प्रश्नों में से 05 अन्य विभाग को हस्तांतरित किये गये। इस प्रकार कुल 55 विधानसभा प्रश्नों के उत्तर पर्यटन विभाग द्वारा विधानसभा को भेजे गये।

2. आश्वासन – 03
3. ध्यानाकर्षण – 06
4. अधिनियम – निरंक
5. अशासकीय संकल्प – निरंक
6. शून्यकाल सूचना – 01

## पर्यटन विभाग की परामर्शदात्री समिति की बैठक

दिनांक 01.01.2019 से 31.12.2019 तक समिति की कोई बैठक आयोजित नहीं हुयी है।

# भाग–एक (ब)

## आयुक्त पर्यटन कार्यालय की संरचना एवं कार्यक्षेत्र

पर्यटन संचालनालय की स्थापना वर्ष 1961 में की गयी थी। उस समय पदेन संचालक पर्यटन की नियुक्ति के साथ उसे वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के अंतर्गत रखा गया था। वर्ष 1969 में पूर्णकालिक संचालक का पद निर्मित किया गया एवं वर्ष 1972 में सचिवालय स्तर पर पर्यटन विभाग का अलग से अस्तित्व कायम किया गया। इस अवधि में ग्वालियर, इंदौर, भोपाल, जबलपुर, खजुराहो और पचमढ़ी में क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालयों की स्थापना की गई। वर्ष 1997 में शासन द्वारा पर्यटन संचालनालय समाप्त किया जाकर आयुक्त, पर्यटन कार्यालय का गठन किया गया।

- **संरचना**

| क्र. | पदनाम | स्वीकृत पद | भरे पद | रिक्त पद | रिमार्क |
|---|---|---|---|---|---|
| **प्रथम श्रेणी** | | | | | |
| 1. | आयुक्त | 1 | 0 | 1 | |
| 2. | उपायुक्त | 1 | – | 1 | अतिरिक्त प्रभार |
| **द्वितीय श्रेणी** | | | | | |
| 1. | लेखाधिकारी | 1 | – | 1 | अतिरिक्त प्रभार |
| **तृतीय श्रेणी** | | | | | |
| 1. | अधीक्षक | 1 | – | 1 | |
| 2. | शीघ्रलेखक | 1 | 1 | – | |
| 3. | सहायक ग्रेड–1 | 1 | – | 1 | |
| 4. | लेखापाल | 1 | – | 1 | |
| 5. | सहायक ग्रेड–3 | 1 | 1 | – | |
| 6. | वाहन चालक | 2 | 1 | 1 | |
| **चतुर्थ श्रेणी** | | | | | |
| 1. | भृत्य | 4 | 3 | 1 | |
| 2. | चौकीदार–सह–फर्राश | 1 | – | 1 | |
| | योग | **15** | **6** | **9** | |

- **कार्यक्षेत्र**

आयुक्त पर्यटन कार्यालय का मुख्य कार्य प्रदेश में पर्यटन के प्रोत्साहन एवं विकास के लिए विभिन्न पर्यटन केन्द्रों के विकास हेतु पंचवर्षीय, वार्षिक योजनाएं बनाना एवं बजट तैयार करना, विभागीय बजट का आहरण एवं संवितरण तथा वार्षिक लेखों का संधारण, केन्द्र एवं राज्य योजनाओं की प्रगति का निरीक्षण एवं समय–समय पर केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय को जानकारी देना, क्षेत्रीय एवं स्थानीय महत्व के पर्यटन आकर्षणों की जानकारी एकत्रित करना, पर्यटन विभाग की परामर्शदात्री समिति एवं जिला पुरातत्व एवं पर्यटन परिषद को आवश्यक सहयोग प्रदान करना आदि है।

# भाग –एक (स)

# म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (MPSTDC)

# गठन एवं कार्यक्षेत्र

- **गठन**

पर्यटन के बढते महत्व एवं योजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन को दृष्टिगत रखते हुये वर्ष 1978 में राज्य शासन द्वारा म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड की स्थापना रू. 1.00 करोड़ की अंशपूंजी के साथ की गई। म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के संचालक मण्डल में राज्य शासन से 12 सदस्य स्वीकृत हैं तथा पर्यटन निगम के प्रबंध संचालक, संचालक मण्डल के सदस्य सचिव हैं। प्रारंभ में निगम को पर्यटन संचालनालय से 13 आवासीय ईकाईयॉ, 6 वाहन तथा 29 अधिकारी/कर्मचारी स्थानान्तरित किये गये थे।

म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड की विभागीय संरचना का अनुमोदन राज्य शासन द्वारा किया जा चुका है। विभागीय संरचना में कुल 1075 पद स्वीकृत हैं। म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के प्रदेश में 06 क्षेत्रीय कार्यालय, 01 पर्यटन सूचना कार्यालय तथा प्रदेश के बाहर 07 मार्केटिंग कार्यालय कार्य कर रहे हैं। निगम के दैनंदिन कार्यों के संचालन, आवास, परिवहन तथा अन्य इकाईयों के कार्यों के सफल एवं सुचारू संचालन के लिए प्रबंध संचालक, प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी, तृतीय श्रेणी एवं चतुर्थ श्रेणी के 588 नियमित अधिकारी/कर्मचारी, 06 अधिकारी/कर्मचारी प्रतिनियुक्ति पर, 10 कर्मचारी संविदा/अनुबंध पर तथा 02 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त विशिष्ट सेवाओं हेतु आवश्यकतानुसार निजी एजेन्सी से श्रमिकों की सेवाएं ली जाती है।

म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड द्वारा प्रदेश के पर्यटन स्थलों पर आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए 67 आवासीय इकाईयां, 04 गैर आवासीय ईकाईयॉ, 13 बोटक्लब, 01 मनोरंजन स्थल तथा 07 लाईट एंड सांउड शो (परिशिष्ट –एक) उपलब्ध कराये गये हैं एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल, भोपाल) विकसित किया गया है।

निगम का प्रारंभिक गठन एक करोड़ रूपये की अधिकृत अंशपॅूजी के साथ किया गया था, जो वर्तमान में रूपये 30.00 करोड़ है। इसके विरूद्ध वर्ष 2001–2002 तक अंशपॅूजी रूपये 2497.29 लाख निगम को प्राप्त हो गई है। वर्ष 2001–2002 से वर्तमान तक नगद अंशपॅूजी प्राप्त नहीं हुई है। वर्ष 2016–17 में पर्यटन विभाग को आवंटित निम्नांकित भूमि और भवनों का मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम की अंशपॅूजी में विनियोग के बदले आवंटित किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है :–

| स.क्र. | भूमि/भवन का विवरण | मूल्याकंन राशि |
|---|---|---|
| 1. | होटल भरहूत, सतना एवं उससे संलग्नक भूमि | 99,53,21,113.00 |
| 2. | होटल पायल, खजुराहो एवं उससे संलग्नक भूमि | 42,02,65,882.00 |
| | **योग** | **1,41,55,86,995.00** |

उपरोक्त भूमि/भवन के बदले राज्य बजट से वित्तीय वर्ष 2016–17 में राशि रूपये 8900.00 लाख एवं वर्ष 2017–18 में राशि रूपये 5255.87 लाख इस प्रकार कुल राशि रूपये **1,41,55.87 लाख** का समायोजन हुआ है। विभागीय बजट से राशि समायोजन के फलस्वरूप मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम की अंशपूँजी में तदनुरूप राज्य शासन की इक्विटी में वृद्धि होगी तथा उल्लेखित भूमि/भवन निगम को अंतरित होंगे।

- **कार्यक्षेत्र**

म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड प्रदेश के प्रमुख पर्यटन केन्द्रों पर पर्यटकों हेतु आवास एवं खान–पान हेतु होटल का संचालन एवं नए चिन्हित पर्यटन स्थलों पर आने वाले पर्यटकों को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने का कार्य करता है। पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों के मनोरंजन हेतु बोट क्लब, साहसिक गतिविधियों का संचालन, ध्वनि एवं प्रकाश कार्यक्रम का आयोजन करना, प्रदेश की लोक कला, संस्कृति को लोकप्रिय बनाने की दृष्टि से प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर उत्सव/मेलों के आयोजन में सहभागिता, प्रदेश में पर्यटन विकास के लिए मास्टर प्लान तैयार करना, पर्यटन स्थलों पर अधोसंरचना के विकास के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करना, केन्द्र एवं राज्य सरकार से पर्यटन अधोसरंचना विकास के लिए आर्थिक सहायता प्राप्त करने हेतु कार्यवाही करना, पर्यटन स्थलों पर अधोसंरचना विकसित करने के कार्य करना एवं अन्य विभागों द्वारा प्रदत्त राशि (डिपोजिट वर्क) से संबंधित अधोसंरचना के कार्यों का क्रियान्वयन करना है।

# भाग–एक (द)

## मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड : गठन एवं कार्यक्षेत्र

- **गठन**

प्रदेश में पर्यटन के विस्तार एवं प्रोत्साहन के लिए मध्यप्रदेश शासन, पर्यटन विभाग के ज्ञाप क्रमांक एफ 10–3/2017/तैंतीस दिनांक 22.02.2017 द्वारा मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड का गठन किया गया है। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के संचालक मण्डल की संरचना में 08 सदस्य शामिल हैं तथा मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक, संचालक मण्डल के पदेन सदस्य सचिव हैं। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के कार्यकलापों के संचालन हेतु राज्य शासन द्वारा राशि रूपये 10.00 करोड़ की अंशपूंजी का अनुमोदन किया गया तथा इसके विरूद्ध वर्ष 2017–18 में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड को राशि रूपये 10.00 करोड़ प्राप्त हो गई है।

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की विभागीय संरचना का अनुमोदन राज्य शासन द्वारा किया जा चुका है। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड संरचना में प्रबंध संचालक एवं अपर प्रबंध संचालक के पद शासन स्तर से एवं शेष अन्य 72 पद प्रतिनियुक्ति/संविदा पर, इस प्रकार कुल 74 पद स्वीकृत हैं।

बोर्ड के दैनंदिन कार्यों के संचालन के लिए दिनांक 31.12.2019 की स्थिति में प्रबंध संचालक (भा.प्र.से), अपर प्रबंध संचालक (भा.प्र.से.) के अतिरिक्त प्रथम/द्वितीय श्रेणी के 12 अधिकारी, तृतीय श्रेणी के 11 कर्मचारी एवं चतुर्थ श्रेणी के 02 नियमित कर्मचारी प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ हैं, इसके अतिरिक्त 11 कर्मचारी अनुबंध/संविदा पर कार्यरत हैं। इसी प्रकार विशिष्ट सेवाओं हेतु आवश्यकतानुसार निजी एजेन्सी से श्रमिकों की सेवाएॅं ली गई हैं।

- **कार्यक्षेत्र**

1. पर्यटन नीति के अंतर्गत सभी दायित्वों का निर्वहन करना (होटलों, परिवहन बेड़े के संचालन जैसी व्यावसायिक गतिविधियों को छोड़कर)
2. पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश को आकर्षित करने, इन्वेस्टर्स फेसिलीटेशन, निवेशकों को नीति अनुसार अनुदान एवं सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा निवेशकों को आकर्षित करने हेतु नई नीतियों का आकल्पन, क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग।
3. निजी निवेश से पर्यटन परियोजना की स्थापना को बढावा देने के लिए उपयुक्त स्थल चयन कर लैण्ड बैंक को निरंतर बढाना।
4. प्रदेश में पर्यटकों को पर्याप्त एवं उच्च स्तरीय आवास एवं अन्य सुविधाएं प्रदान करने के लक्ष्य से निजी निवेश से विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं की स्थापना को प्रोत्साहित करना।
5. प्रदेश में पर्यटन स्थानों जैसे–पुरातत्वीय स्मारकों, वन्य प्राणी स्थलों, प्राकृतिक सौन्दर्य युक्त गुफाओं, खुले स्थानों, पार्कों, जलक्षेत्रों, वीथियों, सुरम्य तथा मनोरंजक स्थलों के विकास की कार्ययोजना बनाना तथा उनके अनुरक्षण के उपाय करना।
6. वृहद जलाशयों पर पर्यटन सुविधाओं का योजनाबद्ध विकास सुनिश्चित करना।

7. आध्यात्मिक पर्यटन के लिए चिन्हित स्थानों के विकास की समग्र योजना तैयार करना।

8. शासन के अन्य सुसंगत विभागों की कार्ययोजना में '' पर्यटन योजना'' को सम्मिलित करने का प्रयास करना।

9. पर्यटन का प्रचार करने तथा उसका विकास करने के प्रयोजन के लिए पर्यटन संबंधी प्रचार सामग्रियों को तैयार करना एवं वितरण करना।

10. राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विभिन्न ट्रेवल मार्ट, रोड शो, प्रदर्शनी आदि में भाग लेना तथा निजी निवेशकों को भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करना।

11. सांस्कृतिक प्रदर्शनी, नृत्यों, संगीत सभाओं, नृत्य रूपकों, फिल्म प्रदर्शनों, खेलकूद, ध्वनि तथा प्रकाश प्रदर्शनों तथा अन्य प्रदर्शनों के माध्यम से मनोरंजन की व्यवस्था करना।

12. पर्यटन स्मारिका उद्योग तथा पर्यटकों की ऐसी ही वस्तुओं की व्यवस्था करना तथा उन्हें प्रोत्साहित करना।

13. मेले, स्थानीय व्यंजन, संस्कृति, वेशभूषा, उत्पाद, कला, हस्तकला तथा विरासत के विपणन के लिए ग्रामीण पर्यटन को प्रोत्साहित करना।

14. पर्यटन उद्योग से जुड़े हितधारियों से संपर्क एवं समन्वय रखते हुये पर्यटन संवर्धन, प्रबंधन एवं संचालन संबंधी समस्या के समाधान हेतु प्रभावी कदम उठाना।

15. पर्यटन को बढावा देने के लिए प्रदेश के विभिन्न शहरों को सड़क मार्ग (बस सेवा) तथा वायु सेवा से जोड़ने हेतु प्रभावी उपाय करना एवं निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करना।

16. अधोसंरचना यथा सड़क, पेयजल, ऊर्जा, स्वच्छता, परिवहन तथा ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन का निरंतर संधारण तथा प्रोन्नयन करना।

17. स्थानीय निकायों को पर्यटन के प्रति संवेदनशील बनाकर उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना।

18. पर्यटन उद्योग के सभी क्षेत्रों में नियोजित मानव संसाधन का ऐसा प्रशिक्षण सुनिश्चित करना ताकि प्रदेश की पर्यटन अनुकूल छबि बन सके एवं युवाओं को रोजगार के अवसर भी मिल सके।

19. ऐसे किसी भी प्रकार की स्थापनाओं, उपक्रमों, उद्यमों तथा कार्यकलापों को जिनसे मध्यप्रदेश में पर्यटन के विकास के मुखर होने या त्वरित होने की संभावना हो आरंभ करना, परिचालित करना तथा संप्रवर्तित करना।

20. स्थानीय प्रशासन के सहयोग तथा प्रक्रियाओं के सरलीकरण से साहसिक एवं ईको पर्यटन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं स्थापित करना।

# भाग –एक (ई)

## जनवरी 2019 से दिसम्बर 2019 तक विभागीय जानकारी

अ. <u>विभागीय पदोन्नतियाँ –</u>

संचालनालय, पर्यटन, म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड एवं मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड में माह जनवरी, 2019 से दिसम्बर 2019 तक कोई पदोन्नतियॉ नहीं हुई हैं।

ब. <u>विभागीय जांच –</u>

- म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड में 31 दिसम्बर, 2019 की स्थिति में 05 विभागीय जॉच एवं एक संयुक्त विभागीय जांच लंबित हैं।
- एम.पी. टूरिज्म बोर्ड में कोई विभागीय जॉच लंबित नहीं है ।

स. <u>नियुक्तियाँ –</u>

जनवरी, 2019 से दिसम्बर, 2019 तक म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड में 08 नियमित पदों में अनुकंपा नियुक्तियाँ एवं 01 संविदा नियुक्ति तथा मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड में 02 संविदा एवं 02 परामर्शी की नियुक्तियाँ प्रदान की गई है।

द. <u>स्थानांतरण –</u>

- श्री हरि रंजन राव (भा.प्र.से.), प्रमुख सचिव स्थानांतरण पर दिनांक 14.07.2019 को कार्यमुक्त हुए।
- श्री फैज अहमद किदवई (भा.प्र.से.), सचिव के पद का दिनांक 15.07.2019 को कार्यभार ग्रहण किया गया।
- श्री इलैया राजा टी. (भा.प्र.से.), प्रबंध संचालक, म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड स्थानांतरण पर दिनांक 25.02.2019 को कार्यमुक्त हुए।
- सुश्री सोनिया मीना (भा.प्र.से.), अपर प्रबंध संचालक, म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के पद पर दिनांक 05.03.2019 को कार्यभार ग्रहण किया गया।
- मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा कोई स्थानांतरण नहीं किये गये।
- म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड में माह जनवरी, 2019 से माह दिसम्बर, 2019 तक कुल 64 अधिकारियों/कर्मचारियों के स्थानान्तरण मुख्यालय स्तर पर किये गये।

# भाग–दो
## बजट वित्तीय वर्ष 2019–20

वर्ष 2019–20 में विभाग के बजट के अंतर्गत विभिन्न मदों में राशि रूपये 22933.69 लाख मतदेय एवं रूपये 1.20 लाख भारित में मूल प्रावधान था तथा प्रथम अनुपूरक अनुमान में रूपये 1000.00 लाख का अतिरिक्त प्रावधान स्वीकृत हुआ है। इस प्रकार विभागीय बजट में कुल प्रावधान रूपये 23934.89 लाख है तथा उक्त प्रावधान के विरूद्ध दिनांक 31.12.2019 तक राशि रूपये 9895.40 लाख व्यय किया गया है। बजट वित्तीय वर्ष 2019–20 दिनांक 31–12–2019 की स्थिति में प्रावधान एवं व्यय के विवरण निम्नानुसार है :–

**मांग संख्या–37–पर्यटन**

(राशि रूपये लाख में)

| क्र. | योजना का नाम | मूल प्रावधान | अनुपूरक अनुमान | पुन विनियोजन | सकल प्रावधान | बजट आवंटन | व्यय |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **(क्र) राजस्व अनुभाग** | | | | | | | |
| 1. | 1251–पर्यटन अधोसंरचना का विकास–45–पूंजीगत परिसंपत्तियॉ निर्मित किये जाने हेतु अनुदान (सामान्य) | 0.01 | – | – | 0.01 | 0.01 | 0.00 |
| 2. | 1251–पर्यटन अधोसंरचना का विकास–45–पूंजीगत परिसंपत्तियॉ निर्मित किये जाने हेतु अनुदान (अनु.ज.जा.) | 0.01 | – | – | 0.01 | 0.01 | 0.00 |
| 3. | 1251–पर्यटन अधोसंरचना का विकास–45–पूंजीगत परिसंपत्तियॉ निर्मित किये जाने हेतु अनुदान (अनु.जा.) | 0.01 | – | – | 0.01 | 0.01 | 0.00 |
| 4. | 3616–युवा एवं साहसिक कार्य हेतु सहायता–42– सहायक अनुदान (सामान्य) | 200.00 | – | – | 200.00 | 180.00 | 96.00 |
| 5. | 6580–पर्यटन क्षेत्र में कौशल विकास–24–परीक्षा एवं प्रशिक्षण (सामान्य) | 150.00 | – | – | 150.00 | 150.00 | 48.00 |
| 6. | 6580–पर्यटन क्षेत्र में कौशल विकास–42– सहायक अनुदान (सामान्य) | 380.00 | – | – | 380.00 | 304.00 | 304.00 |
| 7. | 6580–पर्यटन क्षेत्र में कौशल विकास–24 परीक्षा एवं प्रशिक्षण (अनु.ज.जा.) | 20.00 | – | – | 20.00 | 20.00 | 6.40 |
| 8. | 3346–पर्यटन क्षेत्र में प्रचार–प्रसार हेतु अनुदान–42–सहायक अनुदान (सामान्य) | 7500.00 | 1000.00 | – | 8500.00 | 7000.00 | 4200.00 |

| क्र. | योजना का नाम | मूल प्रावधान | अनुपूरक अनुमान | पुन विनियोजन | सकल प्रावधान | बजट आवंटन | व्यय |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9. | 1271–पर्यटन नीति का क्रियान्वयन –42–सहायक अनुदान (सामान्य) | 2221.08 | – | – | 2221.08 | 1776.86 | 600.00 |
| 10. | 1271–पर्यटन नीति का क्रियान्वयन –44–राज सहायता (सामान्य) | 0.01 | – | – | 0.01 | 0.01 | 0.00 |
| 11. | 1919–मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के स्थापना व्यय हेतु सहायता –42–सहायक अनुदान (सामान्य) | 1000.00 | – | – | 1000.00 | 900.00 | 660.00 |
| 12. | 1271–पर्यटन नीति का क्रियान्वयन–45–पूंजीगत परिसंपत्तियॉ निर्मित किये जाने हेतु अनुदान (सामान्य) | 132.00 | – | – | 132.00 | 105.60 | 75.90 |
| 13. | 1271–पर्यटन नीति का क्रियान्वयन–45–पूंजीगत परिसंपत्तियॉ निर्मित किये जाने हेतु अनुदान (अनु.ज.जा.) | 44.00 | – | – | 44.00 | 35.20 | 25.30 |
| 14. | 1271–पर्यटन नीति का क्रियान्वयन–45–पूंजीगत परिसंपत्तियॉ निर्मित किये जाने हेतु अनुदान (अनु.जा.) | 44.00 | – | – | 44.00 | 35.20 | 25.30 |
| 15. | 1271–पर्यटन नीति का क्रियान्वयन–42– सहायक अनुदान–006 –आर्थिक सहायता (सामान्य) | 330.00 | – | – | 330.00 | 264.00 | 105.60 |
| 16. | 1271–पर्यटन नीति का क्रियान्वयन–42– सहायक अनुदान–006 –आर्थिक सहायता (अनु.ज.जा.) | 110.00 | – | – | 110.00 | 88.00 | 35.20 |
| 17. | 1271–पर्यटन नीति का क्रियान्वयन–42– सहायक अनुदान–006 –आर्थिक सहायता (अनु.जा.) | 110.00 | – | – | 110.00 | 88.00 | 35.20 |
| 18. | 2529–पर्यटन संचालनालय (मतदेय) | 92.55 | – | – | 92.55 | 74.04 | 23.64 |
| | 2529–पर्यटन संचालनालय (भारित) | 1.20 | – | – | 1.20 | 0.96 | 0.00 |
| | **योग–राजस्व अनुभाग** | **12334.87** | **1000.00** | – | **13334.87** | **9901.86** | **6240.54** |

| क्र. | योजना का नाम | मूल प्रावधान | अनुपूरक अनुमान | पुन विनियोजन | सकल प्रावधान | बजट आवंटन | व्यय |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ख) पूंजी अनुभाग | | | | | | | |
| 1. | 1251—पर्यटन अधोसंरचना का विकास —64—वृहद निर्माण कार्य (सामान्य) | 4300.00 | — | — | 4300.00 | 4300.00 | 1905.36 |
| 2. | 1251—पर्यटन अधोसंरचना का विकास —64—वृहद निर्माण कार्य (अनु.ज.जा.) | 1600.00 | — | — | 1600.00 | 1600.00 | 735.00 |
| 3. | 1251—पर्यटन अधोसंरचना का विकास —64—वृहद निर्माण कार्य (अनु.जा.) | 1100.00 | — | — | 1100.00 | 1100.00 | 424.50 |
| 4. | 1271—पर्यटन नीति का क्रियान्वयन—64—वृहद निर्माण कार्य (अनु.ज.जा.) | 500.00 | — | — | 500.00 | 500.00 | 150.00 |
| 5. | 6580—पर्यटन क्षेत्र में कौशल विकास—64— वृहद निर्माण कार्य (सामान्य) | 600.00 | — | — | 600.00 | 600.00 | 180.00 |
| 6. | 0699—लाइट एण्ड साउण्ड शो—64— वृहद निर्माण कार्य (सामान्य) | 1300.00 | — | — | 1300.00 | 1300.00 | 260.00 |
| 7. | 5395—होटल के मूल्य संवर्धन हेतु सहायता—64— वृहद निर्माण कार्य (सामान्य) | 1200.00 | — | — | 1200.00 | 1200.00 | 0.00 |
| 8. | 1917—मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की अंशपूंजी में धनवेष्ठन | 0.01 | — | — | 0.01 | 0.01 | 0.00 |
| 9. | 3616—पर्यटन विभाग की संस्थाओं की अंशपूंजी में धनवेष्ठन | 0.01 | — | — | 0.01 | 0.01 | 0.00 |
| | **योग— पूँजी अनुभाग** | **10600.02** | — | — | **10600.02** | **10600.02** | **3654.86** |
| | **महायोग—** | **22934.89** | **1000.00** | — | **23934.89** | **20503.89** | **9895.40** |

# भाग–तीन (अ)
# तीन वर्षों के बजट प्रावधान एवं व्यय का विवरण

## वित्तीय वर्ष 2016–2017

वित्तीय वर्ष 2016–17 में विभाग के बजट के अंतर्गत आयोजनेत्तर मद में रूपये 246.32 लाख एवं आयोजना मद में रूपये 25160.00 लाख का मूल प्रावधान था तथा प्रथम अनुपूरक अनुमान में रूपये 1000.003 लाख एवं द्वितीय अनुपूरक अनुमान में रूपये 700.00 लाख का अतिरिक्त प्रावधान स्वीकृत है। इस प्रकार आयोजनेत्तर मद में रूपये 246.32 लाख एवं आयोजना मद में रूपये 26860.003 लाख इस प्रकार सकल बजट प्रावधान रूपये 27106.323 लाख था।

वित्तीय वर्ष 2016–17 में दिनांक 31.03.2017 तक आयोजनेत्तर मद के अंतर्गत रूपये 246.32 लाख के प्रावधान के विरूद्ध रूपये 213.76 लाख एवं आयोजना मद में रूपये 26860.003 लाख बजट प्रावधान में से राशि रूपये 25059.18 लाख, इस प्रकार कुल प्रावधानित राशि रूपये 27106.323 लाख में से राशि रूपये 25272.94 लाख व्यय किया गया है।

## वित्तीय वर्ष 2017–2018

वित्तीय वर्ष 2017–18 में विभाग के बजट के अंतर्गत राशि रूपये 25616.68 लाख का मूल प्रावधान था तथा प्रथम अनुपूरक अनुमान में राशि रूपये 1000.001 लाख एवं द्वितीय अनुपूरक अनुमान में राशि रूपये 1355.87 लाख अतिरिक्त प्रावधान स्वीकृत था। इस प्रकार सकल बजट प्रावधान रूपये 27972.551 लाख था तथा वित्तीय वर्ष 2017–18 में दिनांक 31.03.2018 तक कुल राशि रूपये 27020.87 लाख व्यय किया गया है।

## वित्तीय वर्ष 2018–2019

वित्तीय वर्ष 2018–19 में विभाग के बजट के अंतर्गत राशि रूपये 23848.79 लाख का बजट प्रावधान था तथा दिनांक 31.03.2019 तक राशि रूपये 17053.69 लाख व्यय किया गया है।

# <u>तीन वर्षों के बजट प्रावधान एवं व्यय का तुलनात्मक विवरण</u>

(राशि रूपये लाख में)

| मद | 2016–17 | | | | 2017–18 | | | | 2018–19 | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | मूल बजट प्रावधान | अनुपूरक अनुमान | कुल प्रावधान | व्यय | मूल बजट प्रावधान | अनुपूरक अनुमान | कुल प्रावधान | व्यय | मूल बजट प्रावधान | अनुपूरक अनुमान | कुल प्रावधान | व्यय |
| **आयोजनेत्तर** | 246.32 | 0.00 | 246.32 | 213.76 | – | – | – | – | – | – | – | – |
| **आयोजना** | | | | | | | | | | | | |
| राज्य बजट | 23660.00 | 1700.003 | 25360.003 | 24042.44 | 25616.68 | 2355.871 | 27972.551 | 27020.87 | 23848.79 | – | 23848.79 | 17053.69 |
| केन्द्रीय वित्तीय सहायता | 500.00 | 0.00 | 500.00 | 86.74 | – | – | – | – | – | – | – | – |
| एक–मुश्त अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता | 1000.00 | 0.00 | 1000.00 | 930.00 | – | – | – | – | – | – | – | – |
| **योग (आयोजना)** | **25160.00** | **1700.003** | **26860.003** | **25059.18** | – | – | – | – | – | – | – | – |
| **महायोग (आयोजनेत्तर + आयोजना)** | **25406.32** | **1700.003** | **27106.323** | **25272.94** | **25616.68** | **2355.871** | **27972.551** | **27020.87** | **23848.79** | – | **23848.79** | **17053.69** |

**नोटः–** वर्ष 2016–17 में स्वीकृत बजट का विवरण परिशिष्ट ''दो'', वर्ष 2017–18 में स्वीकृत बजट का विवरण परिशिष्ट–''तीन'' एवं 2018–19 में स्वीकृत बजट का विवरण परिशिष्ट ''चार'' में दर्शाया गया है।

# <u>भाग–तीन (ब)</u>

# <u>केन्द्र प्रवर्तित योजनाएं</u>

भारत सरकार, पर्यटन मंत्रालय द्वारा केन्द्रीय वित्तीय सहायता की विभिन्न परियोजनाओं हेतु संशोधित गाईडलाईन्स के अनुसार पर्यटक सुविधाओं, जन–सुविधाओं के निर्माण एवं उन्नयन, रोड कनेक्टिविटी, पर्यटन केन्द्रों के चारों ओर विकास कार्य, कम्पाउण्ड वाल, डिस्प्ले बोर्ड्स, मार्ग सुविधाओं का निर्माण, स्मारकों का रखरखाव आदि के लिए केन्द्र शासन की गन्तव्य विकास, परिपथ विकास एवं ग्रामीण पर्यटन विकास योजनाओं के अंतर्गत शत–प्रतिशत राशि एवं राज्य शासन द्वारा परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु भूमि, जल प्रदाय, विद्युत, उपकरणों का क्रय तथा स्थानीय करों के भुगतान हेतु राज्यांश की राशि उपलब्ध करायी जाती थी। अधिकांश योजनाओं का क्रियान्वयन एमपी स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जाता रहा है। वित्तीय वर्ष 2015–16 से भारत सरकार द्वारा पर्यटन अधोसंरचना परियोजनाओं के लिए **“Infrastructure Development for Destinations and Circuits’’** योजनान्तर्गत आर्थिक सहायता बंद कर दी गई है।

वर्तमान में भारत सरकार, पर्यटन मंत्रालय द्वारा थीम आधारित ‘‘**स्वदेश दर्शन**’’ **एवं** ‘‘**प्रसाद**’’ योजनाओं के तहत परियोजनाएं स्वीकृत की जा रही हैं । वर्ष 2015–16 में स्वदेश दर्शन अंतर्गत वाईल्ड लाईफ सर्किट में राशि रूपये 9221.91 लाख, वर्ष 2016–17 में हेरिटेज सर्किट में राशि रूपये 9297.08 लाख, बुद्धिस्ट सर्किट हेतु राशि रूपये 7494.08 लाख एवं वर्ष 2017–18 में ईको सर्किट हेतु राशि रूपये 9962.05, तथा प्रसाद योजनान्तर्गत ओंकारेश्वर के विकास के लिए राशि रूपये 4067.52 लाख स्वीकृत की गई हैं ।

कुल स्वीकृत केन्द्र प्रवर्तित (स्वदेश दर्शन/प्रसाद) योजनाओं के विवरण निम्नानुसार है–

**(राशि रूपये करोड़ मे)**

| विवरण | 2015–16 | 2016–17 | 2017–18 |
|---|---|---|---|
| स्वीकृत योजनाएं | 01 | 02 | 02 |
| स्वीकृत केन्द्रीय अंश | 92.21 | 167.91 | 140.29 |

- स्वीकृत योजनाओं का विवरण परिशिष्ट 'पॉच' में दर्शाया गया है ।
- स्वीकृत योजनाओं की राशि भारत सरकार से सीधे राज्य पर्यटन विकास निगम को प्राप्त होती है।

## भाग–चार

# जाँच समितियों का गठन

पर्यटन विभाग के अंतर्गत किसी जाँच समिति का गठन नहीं किया गया है।

# भाग – पाँच
# अभिनव योजनाएँ

## अभिनव योजनाएँ/प्रमुख गतिविधियाँ

- हनुवंतिया (इंदिरा सागर) जिला खण्डवा में जल महोत्सव का आयोजन।
- पर्यटन नीति (2016) संशोधित 2019 में जनहित के लिए किये गये बदलाव –
    1. प्रदेश के अधिसूचित नेशनल पार्क, टाईगर रिजर्व एवं अभ्यारण की सीमा में स्थापित होने वाले रिसार्ट को प्रोत्साहित करने के लिए वन क्षेत्र की श्रेणी अनुसार पूंजीगत अनुदान का प्रावधान किया गया है।
    2. दूरस्थ/दुर्गम नवीन क्षेत्रों में पर्यटन परियोजनाओं की स्थापना पर 5 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान का प्रावधान किया गया है ।
    3. विद्यमान होटल के जीर्णोद्धार/आधुनिकीकरण कर अपग्रेडशन हेतु पूंजीगत अनुदान का प्रावधान किया गया है।
    4. वृहद/मेगा/अल्ट्रा मेगा पर्यटन परियोजनाओं को निवेश प्रोत्साहन सहायता का प्रावधान किया गया है।
    5. हॉट एयर बैलून संचालन हेतु 50 प्रतिशत विशेष अनुदान का प्रावधान किया गया है।
    6. अल्ट्रा मेगा परियोजना हेतु पर्यटन विभाग के लैंड बैंक में से प्रस्तावक द्वारा चिहिन्त शासकीय भूमि को "प्रथम आओ प्रथम पायो" के आधार पर आवंटन करने का प्रावधान किया गया है।
- हेरिटेज परिसम्पत्ति के प्रमाणीकरण हेतु हेरिटेज परिसम्पत्ति प्रमाणीकरण गाइड लाइन एवं प्रक्रिया 2019 जारी की गई।
- मध्यप्रदेश में कैम्पिंग गतिविधियों के संचालन हेतु निजी निवेशकों को लीज पर भूमि उपलब्ध कराने बाबत् कैम्पिंग पॉलिसी तैयार की गई।
- मध्यप्रदेश शासन के आदेश क्रं. एफ 10–06/2019/तैंतीस, दिनांक 30.07.2019 द्वारा पुरातत्व के समस्त बिन्दुओं को जिला पर्यटन संवर्धन परिषद (DTPC) में समाहित करते हुए जिला पुरातत्व एवं पर्यटन परिषद (DATC) के रूप में पुनर्गठन किया गया।
- दिनांक 13.09.2019 को प्रदेश के समस्त जिला पर्यटन संवर्धन परिषदों (DTPC) का उन्मुखीकरण एवं कार्ययोजना संबंधी प्रशिक्षण वीडियो कॉफेन्सिंग के माध्यम से किया गया।
- साँची एवं माण्डू में ध्वनि एवं प्रकाश कार्यक्रम का शुभारंभ।
- दिनांक 26.12.2019 से दिनांक 29.12.2019 तक मिन्टो हॉल भोपाल में राजघरानों के प्रमुख व्यंजनों का ''रायल कुजिन फूड फेस्टिवल'' उत्सव का आयोजन किया गया।
- मांडू फेस्टिवल - दिनांक 28 दिसम्बर 2019 से 01 जनवरी 2020 के मध्य मांडू, जिला–धार में ''मांडू फेस्टिवल 2019'' का आयोजन किया गया।
- दिनांक 06 से 08 मार्च 2020 तक नमस्ते ओरछा सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन।

# भाग –छः
# प्रकाशन

1. टूरिज्म बोर्ड द्वारा नियमित रूप से फरवरी 2019 एवं अक्टूबर 2019 में न्यूज लेटर का प्रकाशन किया गया।
2. पर्यटकों की सुविधा हेतु मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों की जानकारी से रूबरू कराने हेतु डेस्टिनेशन फोल्डर, नये फोटो गेलरी के साथ मुद्रण कराये गये।
3. टूरिज्म बोर्ड द्वारा टूरिस्ट मैप को नये रूप में पुनः मुद्रण कराया गया।
4. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किये जाने वाले ट्रेवलमार्ट, रोड शो हेतु मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों की जानकरी से संबंधित विभिन्न विदेशी भाषा में साहित्य का मुद्रण कर प्रकाशन किया गया।
5. प्रदेश में पर्यटन परियोजनाओं की स्थापना हेतु लैण्ड पार्सल्स, हेरिटेज परिसम्पत्तियों, मार्ग सुविधा केन्द्रों के निवर्तन तथा निजी निवेशकों को प्रदाय हेतु वर्ष के दौरान नीतियों/ब्रोशर्स का प्रकाशन कराया गया।
6. पर्यटन नीति (2016) यथा संशोधित 2019।
7. मार्ग सुविधा केन्द्रों की स्थापना एवं संचालन की नीति (2016) यथा संशोधित 2019।
8. इन्वेस्टमेंट प्रमोशन इनीसियेटिव्स – सेक्टोरल पॉलिसीज 2016–19।

# भाग – सात
# सारांश

मध्यप्रदेश अपनी भौगोलिक स्थिति से भारत का ह्रदय कहा जाता है। विस्तृत क्षेत्रफल के इस राज्य में पर्यटन आकर्षणों की विविधता व बहुलता है। प्रदेश में उपलब्ध पर्यटन स्थलों को ऐतिहासिक, पुरातात्विक, प्राकृतिक सौन्दर्य, धार्मिक महत्व तथा राष्ट्रीय वनोद्यान एवं अभयारणों के अंतर्गत वर्गीकृत किया जा सकता है। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए आवास, परिवहन एवं बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था की जाना आवश्यक है। इस तथ्य के दृष्टिगत पर्यटन विभाग द्वारा विभिन्न गतिविधियां की जा रही हैं।

प्रदेश में पर्यटन संचालनालय 1961 से कार्यरत हैं। मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम का गठन 1978 में किया गया है। म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा व्यवसायिक गतिविधियॉ संचालित की जाती हैं। प्रदेश में पर्यटन के विस्तार एवं प्रोत्साहन के लिए वर्ष 2017 में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड (अलाभप्रद कंपनी के रूप में) का गठन किया गया है। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड का प्रमुख कार्य पर्यटन के प्रोत्साहन एवं विकास के लिए विभिन्न पर्यटन केन्द्रों के विकास हेतु योजनायें बनाना, पर्यटन केन्द्रों पर आवागमन सुविधाऍ प्रदान करना, साहसिक पर्यटन के प्रोत्साहन के लिए स्थानीय निकायों तथा स्वायत्त संस्थाओं को अनुदान देना, साहसिक पर्यटन की एजेंसियों का पंजीकरण एवं मान्यता प्रदान करना तथा भारत शासन द्वारा होटलों के वर्गीकरण समिति में प्रदेश की ओर से प्रतिनिधित्व करना है।

पर्यटन विभाग द्वारा राज्य शासन तथा केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय की वित्तीय सहायता से स्वीकृत योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाता है। प्रदेश के पर्यटन स्थलों के लिए पैकेज टूर्स का संचालन, प्रदेश की लोक कला संस्कृति को लोकप्रिय बनाने की दृष्टि से प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर उत्सव/मेलों का आयोजन करना, प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटन साहित्य, सीडी, वेबसाईट, चलित प्रदर्शनी आदि के माध्यम से प्रदेश में अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करना तथा पर्यटकों को आवास, खान–पान, परिवहन सुविधा तथा पर्यटन संबंधी जानकारी उपलब्ध कराना आदि प्रमुख कार्य हैं। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के कार्यो में संपूर्ण प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों का प्रचार–प्रसार करना तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले पर्यटन से जुड़े उत्सवों, मेलों, कान्फ्रेंस आदि में भागीदारी कर प्रदेश के पर्यटन स्थलों की मार्केटिंग करना, इस उद्देश्य से डिजीटल और सोशल मीडिया का उपयोग करना शामिल है।

पर्यटन विभाग ने प्रदेश में जल पर्यटन को बढावा देने एवं कैम्पिंग तथा साहसिक पर्यटन से संबंधित गतिविधियों हेतु निजी निवेशकों को लायसेंस देने की नीति लागू की गई है, जिसके माध्यम से निजी निवेशकों को इस क्षेत्र में पूंजी निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा।

पर्यटन विभाग द्वारा फिल्म निर्माता, निर्देशक एवं कलाकारों के साथ मीटिंग की गई एवं आयोजकों को प्रदेश के पर्यटन स्थलों के संबंध में अवगत कराया गया है ताकि वे इन स्थलों का फिल्मांकन फिल्मों में करने को प्रोत्साहित हो सकें।

प्रदेश में निजी क्षेत्र के माध्यम से पर्यटन अधोसंरचनाएँ विकसित किये जाने के उद्देश्य से लैण्ड बैंक एवं हेरिटेज सम्पत्तियों का बैंक स्थापित किया गया है। लैण्ड बैंक की भूमियों एवं विभाग की संपत्तियों को निजी निवेशकों को लीज पर दिये जाने के लिए पारदर्शी प्रक्रिया के अंतर्गत भूमि आवंटन नीति बनाई गयी है।

पर्यटकों को होम स्टे के माध्यम से प्रदेश की संस्कृति, परम्पराओं एवं भोजन के अनुभव सहित स्वच्छ एवं किफायती ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराने एवं पर्यटन विकास में जनभागीदारी को बढावा देने के उद्देश्य से यह योजना प्रारंभ की गई है।

भोपाल स्थित मिन्टो हॉल का जीर्णोद्धार कर अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कन्वेंशन सेंटर का निर्माण किया गया है।

उपयुक्त प्रशिक्षित मानव संसाधन प्रदेश में उपलब्ध हो तथा रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो, इसे दृष्टिगत रखते हुये भोपाल में प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना की गई है तथा केन्द्र शासन की आर्थिक सहायता से होटल प्रबंध संस्थान, इंदौर तथा फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट, रीवा, जबलपुर एवं खजुराहो का निर्माण किया गया है।

प्रदेश में कारवां टूरिज्म को बढ़ावा दिये जाने हेतु पहल की गयी है तथा क्रूज बोट का संचालन किया जा रहा है। दिनांक 28 दिसम्बर 2019 से 01 जनवरी 2020 के मध्य मांडू, जिला–धार में ''मांडू फेस्टिवल 2019'' का आयोजन किया गया।

# भाग–आठ

## पर्यटन विभाग के अन्तर्गत महिला नीति के क्रियान्वयन बाबत

पर्यटन विभाग राज्य शासन द्वारा निर्धारित महिला नीति का दृढ़ता से पालन करने को कृतसंकल्प है। पर्यटन विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं में महिलाओं को अधिकाधिक प्रतिनिधित्व दिये जाने के लिए प्रयासरत है। महिलाओं की भागीदारी सकारात्मक रहे, इसके लिए पर्यटन विभाग द्वारा निम्नांकित कार्यवाही की गई है :–

1. मध्यप्रदेश शासन, पर्यटन विभाग स्व–सहायता–समूहों के अंतर्गत महिलाओं द्वारा उत्पादित हस्तशिल्प सामग्री के विपणन की व्यवस्था निगम की विभिन्न इकाईयों में स्थित विक्रय केन्द्र के माध्यम से कर रहा है।
2. पर्यटन विभाग द्वारा बेरोजगार महिलाओं को होटल व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं, फ्रन्ट आफिस, हाउस कीपिंग, फूड एण्ड बेवरेज मैनेजमेंट में 06 माह का रोजगारोन्मुखी सर्टिफिकेट कोर्स तथा 06 एवं 08 सप्ताह का ''हुनर से रोजगार'' अंतर्गत हाउस कीपिंग, फूड एण्ड बेवरेजेस, फूड प्रोडक्शन के प्रशिक्षण विभागीय संस्थान–एम.पी.आई.एच.टी.टी.एस. भोपाल, एफ.सी.आई. जबलपुर, रीवा खजुराहो एवं एस.आई एच.एम, इंदौर के माध्यम से संचालित किये जा रहे हैं।
3. ओरछा पर्यटन स्थल पर दो महिलाओं को गाईड लायसेंस प्रदान किये गये हैं।
4. प्रदेश में आयोजित विभिन्न मेलों तथा उत्सवों में विभिन्न नृत्य दलों में महिलाओं की उपस्थिति प्रमुखता से रही है।
5. निगम में महिलाओं की शिकायतों को सुनने, सुलझाने तथा परामर्श हेतु समिति का गठन किया गया है।
6. ''महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल'' अवधारणा पत्र एवं ब्रोशर तैयार किया गया।
7. ''महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल'' कार्यक्रम सॉची और उदयगिरि में लाँच किया गया।

परिशिष्ट – एक

# म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड द्वारा संचालित इकाईयॉ

## (अ) आवासीय इकाईयॉ

| क्र. | इकाई का नाम | क्र. | इकाई का नाम |
|---|---|---|---|
| 1. | हाईवे ट्रीट, भीमबैठका | 35. | जंगल कैम्प मडला (पन्ना) |
| 2. | होटल लेक व्यू, भोपाल | 36. | होटल सुरबहार, मैहर |
| 3. | पलाश रेसीडेन्सी, भोपाल | 37. | होटल भरहुत, सतना |
| 4. | टूरिस्ट मोटल, ब्यावरा | 38. | परसिली रिसोर्ट, परसिली |
| 5. | हलाली रिसोर्ट, हलाली | 39. | विन्ध्या रिट्रीट, रीवा |
| 6. | गेटवे रिट्रीट, सांची | 40. | हाली डे होम, अमरकंटक |
| 7. | जंगल रिसोर्ट, उदयगिरी | 41. | व्हाईट टाईगर फारेस्ट लॉज, बांधवगढ |
| 8. | विण्ड एंड वेव्स काटेज, भोपाल | 42. | मैकल रिसोर्ट, बरगी |
| 9. | पिकनिक एट केरवा, भोपाल | 43. | मार्बल रॉक, भेड़ाघाट |
| 10. | टूरिस्ट मोटल, डोंडी | 44. | कलचुरी रेसीडेन्सी, जबलपुर |
| 11. | सागौन रिट्रीट, देलावाड़ी | 45. | बघीरा जंगल रिसोर्ट, मोचा |
| 12. | ताप्ती रिट्रीट, बुरहानपुर | 46. | बघीरा जंगल रिसोर्ट, मुक्की |
| 13. | टूरिस्ट मोटल, झाबुआ | 47. | किला कोठी, चंदेरी |
| 14. | नर्मदा रिसोर्ट, महेश्वर | 48. | बघीरा जंगल रिसोर्ट, सरही |
| 15. | मालवा रिसोर्ट मांडू | 49. | टूरिस्ट मोटल, मण्डला |
| 16. | मालवा रिट्रीट, मांडू | 50. | किपलिंग कोर्ट, पेंच |
| 17. | नर्मदा रिसोर्ट, ओंकारेश्वर | 51. | होटल अमलतास, पचमढ़ी |
| 18. | क्षिप्रा रेसीडेन्सी, उज्जैन | 52. | ग्लेन व्यू, पचमढ़ी |
| 19. | होटल अवंतिका, उज्जैन | 53. | चंपक बंगलो, पचमढ़ी |
| 20. | होटल उज्जैयनी, उज्जैन | 54. | हिलटॉप बंगलो, पचमढ़ी |
| 21. | चोरल रिसोर्ट, चोरल | 55. | हाईलैण्ड, पचमढ़ी |
| 22. | हाईवे ट्रीट, मंदसौर | 56. | जंगल रिसॉर्ट, कुनोपालपुर |
| 23. | टूरिस्ट काम्पलेक्स, हनुवंतिया | 57. | रॉक एण्ड मेनोर पचमढ़ी |
| 24. | सैलानी आईलैण्ड रिसोर्ट, सैलानी | 58. | सतपुडा रिट्रीट, पचमढी |
| 25. | तानाबाना, चंदेरी | 59. | होटल देवदारू, पचमढ़ी |
| 26. | तानसेन रेसीडेन्सी, ग्वालियर | 60. | होटल कर्णिकार बंगलो, पचमढ़ी |
| 27. | बेतवा रिट्रीट, ओरछा | 61. | होटल क्लब व्यू, पचमढ़ी |
| 28. | शीशमहल, ओरछा | 62. | होटल नंदनवन, पचमढ़ी |
| 29. | टूरिस्ट विलेज, शिवपुरी | 63. | होटल नीलाम्बर काटेज, पचमढ़ी |
| 30. | टूरिस्ट बंगलो, चित्रकूट | 64. | बाइसन रिट्रीट , मढ़ई |
| 31. | मंदाकिनी रिसोर्ट, चित्रकूट | 65. | तवा रिसोर्ट, तवा |
| 32. | होटल झंकार, खजुराहो | 66. | मध्यालोक भवन, मुंबई |
| 33. | होटल पायल, खजुराहो | 67. | कलचुरी कैफे डुमना |
| 34. | हिंगलाज रिसोर्ट, गांधी सागर | | |

(ब) गैर आवासीय इकाईयॉ

| | | | |
|---|---|---|---|
| 01 | विण्ड एण्ड वेव्स रेस्टोरेंट, भोपाल | 02 | हाईवे ट्रीट रेस्टोरेंट, डोडी |
| 03 | फोर्ट व्यू रेस्टोरेंट, ग्वालियर | 04 | 1909–दि क्राउन आफ भोपाल रेस्टोरेंट मिन्टो हॉल |

(स) लाइसेंस पर दी गयी इकाईयॉ

| | | | |
|---|---|---|---|
| 01 | टूरिस्ट मोटल, दतिया | 02 | हाईवे ट्रीट, हांडिया |
| 03 | टूरिस्ट मोटल, नीमच | 04 | हाईवे ट्रीट, नौगांव |
| 05 | टूरिस्ट मोटल, पिपरिया | 06 | होटल पंचवटी, पचमढ़ी |
| 07 | टूरिस्ट मोटल, तामिया | 08 | बुडलैण्ड पचमढ़ी (किराये पर दी गई) |
| 09 | टूरिस्ट मोटल, कटनी | 10 | ग्राम बीजाढ़ाना, तामिया जिला छिंदवाडा (लैण्ड प्रॉपर्टी) |
| 11 | टूरिस्ट विलेज, खजुराहो | | |

(द) मनोरंजन स्थल

| | | | |
|---|---|---|---|
| 01 | सैर सपाटा, प्रेमपुरा, भोपाल | | |

(ई) लाईट एण्ड साउंड शो

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | ग्वालियर | 5. | उज्जैन |
| 2. | ओरछा | 6. | माण्डू |
| 3. | खजुराहो | 7. | सांची |
| 4. | इंदौर | | |

(फ) कन्वेंशन सेंटर

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | मिंटो हॉल, भोपाल | | |

(ग) बोट क्लब

1. अपर लेक बोट क्लब, भोपाल
2. हलाली रिसोर्ट, हलाली
3. जंगल रिसोर्ट, उदयगिरी
4. सैर सपाटा, प्रेमपुरा घाट, भोपाल
5. सैलानी आईलैण्ड रिसोर्ट, सैलानी ओंकारेश्वर
6. चोरल रिसोर्ट, चोरल
7. तवा रिसोर्ट, तवा
8. मैकल रिसोर्ट, बरगी
9. टूरिस्ट कॉम्पलेक्स, हनुवंतिया
10. बोट क्लब, तिगरा
11. टूरिस्ट विलेज, शिवपुरी
12. बेतवा रिट्रीट, ओरछा
13. बोट क्लब हिंगलाज रिसॉर्ट, गांधीसागर

परिशिष्ट–दो

# वित्तीय वर्ष 2016–17 के बजट दिनांक 31.03.2017 की स्थिति में

मांग संख्या –37–3452 (आयोनेत्तर) (राशि रूपये लाख में)

| क्र. | योजना का नाम | मूल प्रवाधान | अनुपूरक | पुन विंनियोजन | सकल प्रावधान | व्यय |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | पर्यटन संचालनालय का व्यय | 46.21 | – | – | 46.21 | 33.76 |
| 2. | राज्य पर्यटन विकास परिषद का गठन | 0.11 | – | – | 0.11 | 0.00 |
| 3. | जिला पर्यटन संवर्धन परिषद हेतु सहायता | 100.00 | – | – | 100.00 | 90.00 |
| 4. | पर्यटन संवर्धन इकाई की स्थापना हेतु सहायता | 100.00 | – | – | 100.00 | 90.00 |
| | **योग** | **246.32** | – | – | **246.32** | **213.76** |

क. मांग संख्या–37 (आयोजना)

| (1) राजस्व अनुभाग (3452) | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन विकास हेतु सहायता | 400.00 | – | – | 400.00 | 360.00 |
| 2. | शहरी क्षेत्रों में पर्यटन विकास हेतु सहायता | 600.00 | – | – | 600.00 | 540.00 |
| 3. | पर्यटन मनोरंजन मेला हेतु अनुदान | 600.00 | – | –50.00 | 550.00 | 495.00 |
| 4. | युवा एवं साहसिक कार्य हेतु सहायता | 60.00 | – | –60.00 | 0.00 | 0.00 |
| 5. | ईंधन के भुगतान की प्रतिपूर्ति | 50.00 | – | – | 50.00 | 0.00 |
| 6. | होटल प्रबन्धन संस्थान, इन्दौर | 400.00 | – | –20.00 | 380.00 | 105.00 |
| 7. | प्रत्येक जिले के पर्यटन केन्द्रों का विकास | 300.00 | – | – | 300.00 | 270.00 |
| 8. | एफ.सी.आई., रीवा | 150.00 | – | –1.50 | 148.50 | 18.37 |
| 9. | एफ.सी.आई., जबलपुर | 250.00 | – | –50.44 | 199.56 | 75.84 |
| 10. | होटल प्रबन्धन संस्थान, भोपाल | 175.00 | – | –23.00 | 152.00 | 43.50 |
| 11. | हवाई उड़ान सेवा के लिए अनुदान | 900.00 | – | –498.53 | 401.47 | 0.00 |
| 12. | सूचना और प्रचार हेतु अनुदान | 7350.00 | – | – | 7350.00 | 7350.00 |
| 13. | पर्यटन परिपथों का विकास | 50.00 | – | – | 50.00 | 45.00 |
| 14. | संपत्तियों का नवीनीकरण एवं अनुरक्षण | 0.01 | – | – | 0.01 | 0.00 |
| 15. | पर्यटन निवेश संवर्धन फिजिबिलिटी अध्ययन एवं व्यवसायिक सेवाओं हेतु सहायता | 50.00 | – | +43.00 | 93.00 | 93.00 |
| 16. | पूँजीगत अनुदान | 1000.00 | 700.00 | +708.47 | 2408.47 | 2408.47 |
| 17. | पर्यटन प्रशिक्षण | 250.00 | – | –18.00 | 232.00 | 162.17 |
| 18. | भू–विनिवेश हेतु सेवा प्रभार | 75.00 | – | –30.00 | 45.00 | 10.00 |
| 19. | मार्केटिंग कार्यालयों के स्थापना व्यय | 1000.00 | – | – | 1000.00 | 1000.00 |
| 20. | इण्टरप्राईजेज रिसोर्स प्लानिंग | 249.99 | – | – | 249.99 | 249.99 |
| | **योग – 3452–राजस्व अनुभाग** | **13910.00** | **700.00** | – | **14610.00** | **13226.34** |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (1) पूंजी अनुभाग (5452) | | | | | | |
| 1. | केन्द्र प्रवर्तित योजना में राज्य शासन का अंशदान | 100.00 | – | – | 100.00 | 100.00 |
| 2. | जल पर्यटन विकास के लिए अनुदान | – | 500.00 | – | 500.00 | 500.00 |
| 3. | पर्यटक जन सुविधा केन्द्रों के संचालन एवं संधारण हेतु आर्थिक सहायता–32– लघु निर्माण कार्य | – | 250.00 | – | 250.00 | 250.00 |
| 4. | पर्यटक जन सुविधा केन्द्रों के संचालन एवं संधारण हेतु आर्थिक सहायता–64– वृहद निर्माण कार्य | – | 250.00 | – | 250.00 | 250.00 |
| 5. | पर्यटन विकास हेतु निजी भू–अर्जन के मामलों में मुआवजा | – | 0.001 | 197.07 | 197.071 | 197.07 |
| 6. | पर्यटन अधोसंचरना का निर्माण केन्द्रांश | 500.00 | – | –197.07 | 302.93 | 86.74 |
| 7. | भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर का निर्माण (केन्द्र क्षेत्रीय योजना) | 1000.00 | – | –930.00 | 70.00 | 0.00 |
| 8. | भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर का निर्माण (अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता) | 0.00 | 0.001 | 930.00 | 930.001 | 930.00 |
| 9. | म.प्र. पर्यटन विकास निगम की अंशपूंजी में धनवेष्ठन | 8900.00 | – | – | 8900.00 | 8900.00 |
| 10. | होटल प्रबंधन संस्थान (भवन निर्माण) | 0.00 | 0.001 | | 0.001 | 0.00 |
| | **योग–5452–पूंजी अनुभाग** | **10500.00** | **1000.003** | **0.00** | **11500.003** | **11213.81** |
| | **योग–मांग संख्या–37–आयोजना** | **25406.32** | **1700.003** | **0.00** | **26110.003** | **24440.15** |

**ख. मांग संख्या 41–3452–राजस्व अनुभाग**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन विकास हेतु सहायता | 600.00 | – | – | 600.00 | 560.00 |
| 2. | प्रत्येक जिले के पर्यटन केन्द्रों का विकास | 100.00 | – | – | 100.00 | 39.03 |
| 3. | शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार हेतु प्रशिक्षण | 50.00 | – | – | 50.00 | 20.00 |
| | **योग – मांग संख्या 41–3452** | **750.00** | – | – | **750.00** | **619.03** |
| | **महायोग – आयोजना (मांग सं. 37 एवं 41)** | **25160.00** | **1700.003** | **0.00** | **26860.003** | **25059.18** |
| | **महायोग – आयोजनेत्तर + आयोजना** | **25406.32** | **1700.003** | **0.00** | **27106.323** | **25272.94** |

परिशिष्ट–तीन

# वित्तीय वर्ष 2017–18 के बजट दिनांक 31.03.2018 की स्थिति में

मांग संख्या 37–पर्यटन (राशि रूपये लाख में)

| क्र. | योजना का नाम | मूल प्रवाधान | अनुपूरक | पुन विनियोजन | सकल प्रावधान | व्यय |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (क) राजस्व अनुभाग | | | | | | |
| 1. | ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन विकास हेतु सहायता–सामान्य | 300.00 | – | – | 300.00 | 300.00 |
| 2. | ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन विकास हेतु सहायता–अनुसूचित जनजाति उपयोजना | 550.00 | – | – | 550.00 | 495.00 |
| 3. | ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन विकास हेतु सहायता–अनुसूचित जाति उपयोजना | 100.00 | – | – | 100.00 | 90.00 |
| 4. | शहरी क्षेत्रों में पर्यटन विकास हेतु सहायता | 650.00 | – | – | 650.00 | 585.00 |
| 5. | युवा एवं साहसिक कार्य हेतु सहायता | 100.00 | – | – | 100.00 | 99.50 |
| 6. | ईधन के भुगतान की प्रतिपूर्ति | 50.00 | | –35.00 | 15.00 | 0.00 |
| 7. | होटल प्रबंध संस्थान इंदौर, रीवा, जबलपुर, भोपाल | 550.00 | – | –98.56 | 451.44 | 251.44 |
| 8. | हवाई उड़ान सेवाओं के लिये अनुदान | 1200.00 | – | –1100.00 | 100.00 | 100.00 |
| 9. | पर्यटन संवर्धन इकाई की स्थापना हेतु सहायता | 100.00 | – | | 100.00 | 100.00 |
| 10. | सूचना और प्रचार हेतु अनुदान | 6300.00 | – | +1198.56 | 7498.56 | 7498.56 |
| 11. | पर्यटन निवेश संवर्धन फिजिबिलिटी अध्ययन एवं व्यावसायिक सेवाओं हेतु अनुदान | 50.00 | – | +35.00 | 85.00 | 84.75 |
| 12. | पूँजीगत अनुदान | 5000.00 | – | – | 5000.00 | 4500.00 |
| 13. | पर्यटन प्रशिक्षण | 200.00 | – | – | 200.00 | 200.00 |
| 14. | आनन्दम | 0.01 | – | – | 0.01 | 0.00 |
| 15. | मार्केटिंग कार्यालयों के स्थापना व्यय हेतु सहायता | 1000.00 | – | – | 1000.00 | 1000.00 |
| 16. | इण्टर प्राईजेज रिसोर्स प्लानिंग हेतु सहायता | 250.00 | – | – | 250.00 | 248.75 |
| 17. | पर्यटन संचालनालय– स्थापना व्यय | 46.66 | – | – | 46.66 | 42.00 |
| 18. | मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की स्थापना व्यय हेतु सहायता | 0.00 | 0.001 | | 0.001 | 0.00 |
| 19. | शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार हेतु प्रशिक्षण–अनुसूचित जनजाति उपयोजना | 20.00 | – | – | 20.00 | 20.00 |
| | **योग–राजस्व अनुभाग** | **16466.67** | **0.001** | **0.00** | **16466.671** | **15615.00** |

| (ख) पूंजी अनुभाग | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | केन्द्र प्रवर्तित योजना में राज्य शासन का अंशदान | 50.00 | – | – | 50.00 | 50.00 |
| 2. | जल पर्यटन विकास के लिये अनुदान | 500.00 | – | – | 500.00 | 450.00 |
| 3. | पर्यटक जन सुविधा केन्द्रों के संचालन एवं संधारण हेतु आर्थिक सहायता–32–लघु निर्माण कार्य | 150.00 | – | – | 150.00 | 150.00 |
| 4. | पर्यटक जन सुविधा केन्द्रों के संचालन एवं संधारण हेतु आर्थिक सहायता–64–वृहद निर्माण कार्य | 150.00 | – | – | 150.00 | 150.00 |
| 5. | पर्यटन विकास हेतु निजी भू–अर्जन के मामलों में मुआवजा | 0.01 | – | – | 0.01 | 0.00 |
| 6. | अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर भोपाल का निर्माण (केन्द्र क्षेत्रीय योजना) | 1500.00 | – | – | 1500.00 | 1500.00 |
| 7. | होटल प्रबंधन संस्थान (भवन निर्माण) | 550.00 | – | – | 550.00 | 550.00 |
| 8. | जिला पर्यटन सवंर्धन परिषद हेतु सहायता–सामान्य | 270.00 | – | – | 270.00 | 270.00 |
| 9. | जिला पर्यटन सवंर्धन परिषद हेतु सहायता–अनुसूचित जनजाति उपयोजना | 180.00 | – | – | 180.00 | 180.00 |
| 10. | म.प्र.पर्यटन विकास निगम की अंशपूँजी में धनवेष्ठन | 4000.00 | 1355.87 | – | 5355.87 | 5355.87 |
| 11. | म.प्र. पर्यटन के मास्टर प्लान हेतु सहायता–सामान्य | 200.00 | – | – | 200.00 | 180.00 |
| 12. | म.प्र. पर्यटन के मास्टर प्लान हेतु सहायता–अनुसूचित जनजाति उपयोजना | 150.00 | – | – | 150.00 | 135.00 |
| 13. | म.प्र. पर्यटन के मास्टर प्लान हेतु सहायता–अनूसूचित जाति उपयोजना | 150.00 | – | – | 150.00 | 135.00 |
| 14. | लाईट एंड साउंड शो | 200.00 | – | – | 200.00 | 200.00 |
| 15. | पर्यटन सांख्यिकी कार्य | 100.00 | – | – | 100.00 | 100.00 |
| 16. | पर्यटन संवर्धन का अंतर्राष्ट्रीय प्रचार–प्रसार | 1000.00 | – | – | 1000.00 | 1000.00 |
| 17. | मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की अंशपूंजी में धनवेष्ठन | 0.00 | 1000.00 | | 1000.00 | 1000.00 |
| | **योग – पूँजी अनुभाग** | **9150.01** | **2355.870** | **0.00** | **11505.880** | **11405.87** |
| | **महायोग –** | **25616.68** | **2355.871** | **0.00** | **27972.55** | **27020.87** |

परिशिष्ट–चार

# वित्तीय वर्ष 2018–19 के बजट दिनांक 31.03.2019 की स्थिति में

मांग संख्या–37–पर्यटन

(राशि रूपये लाख में)

| क्र. | योजना का नाम | मूल प्रावधान | अनुपूरक अनुमान | पुन र्विनियोजन | सकल प्रावधान | बजट आवंटन | व्यय |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (क्र) राजस्व अनुभाग | | | | | | | |
| 1. | 1251–पर्यटन अधोसंरचना का विकास–42–सहायक अनुदान (सामान्य) | 500.00 | – | – | 500.00 | 450.00 | 450.00 |
| 2. | 1251–पर्यटन अधोसंरचना का विकास–42– सहायक अनुदान (अ.ज.जा.) | 300.00 | – | – | 300.00 | 270.00 | 162.00 |
| 3. | 1251–पर्यटन अधोसंरचना का विकास–42–सहायक अनुदान (अनु.जाति) | 200.00 | – | – | 200.00 | 180.00 | 79.00 |
| 4. | 3616–युवा एवं साहसिक कार्य हेतु सहायता–42– सहायक अनुदान (सामान्य) | 100.00 | – | – | 100.00 | 90.00 | 90.00 |
| 5. | 6580–पर्यटन क्षेत्र में कौशल विकास–24–परीक्षा एवं प्रशिक्षण (सामान्य) | 150.00 | – | – | 150.00 | 150.00 | 150.00 |
| 6. | 6580–पर्यटन क्षेत्र में कौशल विकास–42– सहायक अनुदान (सामान्य) | 200.00 | – | – | 200.00 | 200.00 | 200.00 |
| 7. | 6580–पर्यटन क्षेत्र में कौशल विकास–24 परीक्षा एवं प्रशिक्षण (अनु.ज.जा) | 20.00 | – | – | 20.00 | 20.00 | 20.00 |
| 8. | 3346–पर्यटन क्षेत्र में प्रचार–प्रसार हेतु अनुदान– 42–सहायक अनुदान (सामान्य) | 6000.00 | – | – | 6000.00 | 5400.00 | 5400.00 |
| 9. | 1271–पर्यटन नीति का क्रियान्वयन –42–सहायक अनुदान (सामान्य) | 5800.00 | – | – | 5800.00 | 5220.00 | 2610.00 |
| 10. | 1271–पर्यटन नीति का क्रियान्वयन –44–राज सहायता (सामान्य) | 1200.00 | – | – | 1200.00 | 1200.00 | 240.00 |
| 11. | 1919–मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के स्थापना व्यय हेतु सहायता –42–सहायक अनुदान (सामान्य) | 1000.00 | – | – | 1000.00 | 900.00 | 900.00 |
| 12. | 2529–पर्यटन संचालनालय | 78.76 | – | – | 78.76 | 78.33 | 57.68 |
| | **योग–राजस्व अनुभाग** | **15548.76** | – | – | **15548.76** | **14138.33** | **10358.68** |

| क्र. | योजना का नाम | मूल प्रावधान | अनुपूरक अनुमान | पुन विनियोजन | सकल प्रावधान | बजट आवंटन | व्यय |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (ख) पूंजी अनुभाग | | | | | | | |
| 1. | 1251–पर्यटन अधोसंरचना का विकास–32–लघु निर्माण कार्य–(सामान्य) | 2400.00 | – | – | 2400.00 | 2400.00 | 1757.00 |
| 2. | 1251–पर्यटन अधोसंरचना का विकास –43–अंशदान (सामान्य) | 50.00 | – | – | 50.00 | 50.00 | 0.00 |
| 3. | 1251–पर्यटन अधोसंरचना का विकास –45–पूंजीगत परिसंपत्तियॉ निर्मित किये जाने हेतु अनुदान (सामान्य) | 1000.00 | – | – | 1000.00 | 1000.00 | 1000.00 |
| 4. | 1251–पर्यटन अधोसंरचना का विकास –64–वृहद निर्माण कार्य (सामान्य) | 1150.00 | – | – | 1150.00 | 1150.00 | 1148.51 |
| 5. | 1251–पर्यटन अधोसंरचना का विकास –45–पूंजीगत परिसंपत्तियॉ निर्मित किये जाने हेतु अनुदान (अनु.ज.जा.) | 800.00 | – | – | 800.00 | 800.00 | 480.00 |
| 6. | 1251–पर्यटन अधोसंरचना का विकास –45–पूंजीगत परिसंपत्तियॉ निर्मित किये जाने हेतु अनुदान (अनु.जा.) | 600.00 | – | – | 600.00 | 600.00 | 169.50 |
| 7. | 1271–पर्यटन नीति का क्रियान्वयन–45–पूंजीगत परिसंपत्तियॉ निर्मित किये जाने हेतु अनुदान (सामान्य) | 300.00 | – | – | 300.00 | 300.00 | 270.00 |
| 8. | 1271–पर्यटन नीति का क्रियान्वयन–45–पूंजीगत परिसंपत्तियॉ निर्मित किये जाने हेतु अनुदान (अनु.ज.जा.) | 100.00 | – | – | 100.00 | 100.00 | 90.00 |
| 9 | 1271–पर्यटन नीति का क्रियान्वयन–45–पूंजीगत परिसंपत्तियॉ निर्मित किये जाने हेतु अनुदान (अनु.जा.) | 100.00 | – | – | 100.00 | 100.00 | 90.00 |
| 10 | 3346–पर्यटन क्षेत्र में प्रचार–प्रसार हेतु अनुदान–45–पूंजीगत परिसंपत्तियॉ निर्मित किये जाने हेतु अनुदान (सामान्य) | 1100.00 | – | – | 1100.00 | 1100.00 | 990.00 |

| क्र. | योजना का नाम | मूल प्रावधान | अनुपूरक अनुमान | पुन विनियोजन | सकल प्रावधान | बजट आवंटन | व्यय |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 11. | 6580–पर्यटन क्षेत्र में कौशल विकास–64– वृहद निर्माण कार्य (सामान्य) | 700.00 | – | – | 700.00 | 700.00 | 700.00 |
| 12. | 1917–मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की अंशपूंजी में धनवेष्ठन | 0.01 | – | – | 0.01 | 0.01 | 0.00 |
| 13. | 2287–मध्यप्रदेश इन्क्लूजिव डेवलपमेंट प्रोजेक्ट | 0.01 | – | – | 0.01 | 0.01 | 0.00 |
| 14. | 3616–पर्यटन विभाग की संस्थाओं की अंशपूंजी में धनवेष्ठन | 0.01 | – | – | 0.01 | 0.01 | 0.00 |
| | **योग – पूँजी अनुभाग** | **8300.03** | – | – | **8300.03** | **8300.03** | **6695.01** |
| | **महायोग –** | **23848.79** | – | – | **23848.79** | **22458.36** | **17053.69** |

परिशिष्ट–पांच

# केन्द्र सरकार की मध्यप्रदेश पर्यटन के लिए स्वीकृत योजनाएं

(राशि रूपये करोड़ में)

| क्र. | योजना का नाम | स्वीकृत वर्ष | स्वीकृत राशि | विमुक्त राशि (दिसम्बर 2019 तक) |
|---|---|---|---|---|
| 1. | वाईल्ड लाईफ सर्किट (पन्ना–मुकुन्दपुर–संजय–डुबरी–बॉधवगढ़–कान्हा–मुक्की–पेंच) स्वदेश दर्शन योजनान्तर्गत | 2015–16 | 92.21 | 73.77 |
| 2. | बुद्धिस्ट सर्किट (सॉची–सतना–रीवा–मंदसौर–धार) स्वदेश दर्शन योजनान्तर्गत | 2016–17 | 74.94 | 59.95 |
| 3. | हेरिटेज सर्किट (ग्वालियर–ओरछा–खजुराहो–चँदेरी–भीमबैठका–माण्डू) स्वदेश दर्शन योजनान्तर्गत | 2016–17 | 92.97 (पुनरीक्षित) | 74.37 |
| 4. | ओंकारेश्वर का विकास (प्रसाद योजनांतर्गत) | 2017–18 | 40.67 | 28.32 |
| 5. | ईको सर्किट (गांधी सागर–मण्डलेश्वर–ओंकारेश्वर–इन्दिरा सागर–तवा–बरगी–बाणसागर जलाशयों एवं भेड़ाघाट, केन रिवर) स्वदेश दर्शन योजनान्तर्गत | 2017–18 | 99.62 | 79.69 |
| | | योग | **400.41** | **316.10** |

टीप :– स्वदेश दर्शन एवं प्रसाद योजनाओं की राशि सीधे मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम को प्राप्त होती है।

परिशिष्ट– छः

# पर्यटन निगम के परिवहन बेड़े में उपलब्ध वाहन
## (दिनांक 31–12–2019 की स्थिति में)

| क्र. | प्रकार | संख्या |
|---|---|---|
| 1. | व्यूइंग बस | 1 |
| 2. | प्रदर्शनी बस | 1 |
| 3. | रेल सफारी (भोपाल दर्शन) | 1 |
| 4. | टेम्पो ट्रैवलर | 1 |
| 5. | कैटरिंग वाहन | 1 |
| 6. | कारवां वाहन | 5 |
| 7. | बोलेरो वाहन | 12 |
| 8. | इंडिका कार | 5 |
| 9. | इंडिगो कार | 5 |
| 10. | इंडिगो मांजा | 1 |
| 11. | मारूति वैन | 5 |
| 12. | स्कार्पियो | 4 |
| 13. | जिप्सी वाहन | 13 |
| 14. | टाटा सफारी | 1 |
| 15. | बौलेरो कैम्पर | 8 |
| 16. | मेजर जीप | 1 |
| 17. | टोयोटा इनोवा | 4 |
| 18. | मिनी लोडिंग ट्रक | 1 |
| 19. | जायलो कार | 3 |
| 20. | जंगल सफारी | 6 |
| 21. | टाटा 407 ट्रक | 1 |
| 22. | टोयटा इनोवा क्रिस्टा | 11 |
| 23. | फिगो एस्पायर | 5 |
| | कुल | **96** |

### नीलामी बेड़े में शामिल वाहन

| क्र. | प्रकार | संख्या |
|---|---|---|
| 1. | इंडिका कार | 1 |
| 2. | इंडिगो कार | 1 |
| 3. | स्कार्पियों | 1 |
| 4. | सफारी | 3 |
| 5. | व्यूइंग बस | 2 |
| | कुल | **8** |

परिशिष्ट – सात (अ)

## मध्यप्रदेश के विभिन्न पर्यटन केन्द्रों में पर्यटक आगमन
## (जनवरी 2018 से दिसम्बर 2018 तक)

| स.क्र. | पर्यटन स्थल | देशी | विदेशी | कुल |
|---|---|---|---|---|
| 1. | बांधवगढ़ | 125577 | 33493 | 159070 |
| 2. | भीमबैठका | 78859 | 0 | 78859 |
| 3. | बुरहानपुर | 216579 | 3699 | 220278 |
| 4. | ग्वालियर | 3052674 | 20376 | 3073050 |
| 5. | कान्हा | 156018 | 20539 | 176557 |
| 6. | खजुराहो | 362801 | 57138 | 419939 |
| 7. | मांडू | 1027374 | 6284 | 1033658 |
| 8. | ओरछा | 3629660 | 68573 | 3698233 |
| 9. | पचमढी | 383883 | 73 | 383956 |
| 10. | पन्ना | 793794 | 15633 | 809427 |
| 11. | पेंच | 73561 | 8671 | 82232 |
| 12. | सांची | 323304 | 4858 | 328162 |
| 13. | शिवपुरी | 5451897 | 837 | 5452734 |
| 14. | भोपाल | 5011490 | 8133 | 5019623 |
| 15. | इंदौर | 23072635 | 70760 | 23143395 |
| 16. | जबलपुर | 1459895 | 3119 | 1463014 |
| 17. | अमरकंटक | 2420000 | 43 | 2420043 |
| 18. | भेड़ाघाट | 344571 | 121 | 344692 |
| 19. | चित्रकूट | 9069382 | 229 | 9069611 |
| 20. | महेश्वर | 981996 | 1248 | 983244 |
| 21. | ओंकारेश्वर | 2395000 | 37000 | 2432000 |
| 22. | उज्जैन | 3099379 | 902 | 3100281 |
| 23. | दतिया | 321930 | 5475 | 327405 |
| 24. | होशंगाबाद | 1340000 | 0 | 1340000 |
| 25. | मैहर | 10650000 | 0 | 10650000 |
| 26. | सलकनपुर | 6900000 | 0 | 6900000 |
| 27. | राजगढ़ | 140247 | 52 | 140299 |
| 28. | चंदेरी | 433583 | 383 | 433966 |
| 29. | धुबेला | 41663 | 120 | 41783 |
| 30. | भोजपुर | 519500 | 638 | 520138 |
| 31. | मढ़ई | 368984 | 5829 | 374813 |
| | कुल | **84246236** | **374226** | **84620462** |

नोट– उपरोक्त आंकड़े भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग नगर पंचायत राष्ट्रीय उद्यान एवं कैण्टोनमेंट बोर्ड से प्राप्त किये गये है ।

<u>परिशिष्ट – सात (ब)</u>

## मध्यप्रदेश के विभिन्न पर्यटन केन्द्रों में पर्यटक आगमन
## (जनवरी 2019 से दिसम्बर 2019 तक)

| स.क्र. | पर्यटन स्थल | देशी | विदेशी | कुल |
|---|---|---|---|---|
| 1. | बांधवगढ़ | 111479 | 18990 | 130469 |
| 2. | भीमबैठका | 69271 | 405 | 69676 |
| 3. | बुरहानुपर | 173965 | 339 | 174304 |
| 4. | ग्वालियर | 12334365 | 18786 | 12353151 |
| 5. | कान्हा | 230685 | 24764 | 255449 |
| 6. | खजुराहो | 276090 | 51302 | 327392 |
| 7. | मांडू | 936434 | 7207 | 943641 |
| 8. | ओरछा | 3206881 | 67918 | 3274799 |
| 9. | पचमढ़ी | 359575 | 2233 | 361808 |
| 10. | पन्ना | 673101 | 15331 | 688432 |
| 11. | पेंच | 79148 | 8379 | 87527 |
| 12. | सांची | 325731 | 4649 | 330380 |
| 13. | शिवपुरी | 5450410 | 3135 | 5453545 |
| 14. | भोपाल | 5414844 | 15978 | 5430822 |
| 15. | इंदौर | 18729128 | 60795 | 18789923 |
| 16. | जबलपुर | 1752649 | 4521 | 1757170 |
| 17. | राजगढ़ | 207157 | 13 | 207170 |
| 18. | चंदेरी | 455685 | 623 | 456308 |
| 19. | धुबेला | 501652 | 606 | 502258 |
| 20. | अमरकंटक | 2949253 | 41 | 2949294 |
| 21. | भेड़ाघाट | 343334 | 112 | 343446 |
| 22. | चित्रकूट | 12667949 | 327 | 12668276 |
| 23. | महेश्वर | 898598 | 706 | 899304 |
| 24. | ओंकारेश्वर | 2645000 | 7550 | 2652550 |
| 25. | उज्जैन | 3172881 | 503 | 3173384 |
| 26. | दतिया | 343514 | 5941 | 349455 |
| 27. | होशंगाबाद | 1526186 | 6 | 1526192 |
| 28. | मैहर | 9200000 | 0 | 9200000 |
| 29. | सलकनपुर | 3325000 | 0 | 3325000 |
| 30. | भोजपुर | 38225 | 117 | 38342 |
| 31. | मढ़ई | 290083 | 6680 | 296763 |
| 32. | धमनार | 18866 | 1 | 18867 |
| | **योग** | 88707139 | 327958 | 89035097 |

नोट– उपरोक्त आंकड़े भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग नगर पंचायत राष्ट्रीय उद्यान एवं कैण्टोनमेंट बोर्ड से प्राप्त किये गये है।

परिशिष्ट –आठ

# मध्यप्रदेश पर्यटन को वर्ष 2019 में प्राप्त पुरस्कार

1. गोवा में दिनांक 11 से 13 अप्रैल के मध्य आयोजित GOAFEST कार्यक्रम में Abby Award 2019 के माध्यम से मध्यप्रदेश टूरिज्म के नवीन डेस्टिनेशन TVC को सर्वश्रठ डायरेक्शन, एडिटिंग, म्यूजिक एवं स्पेशल इफेक्ट्स के क्षेत्र में "The World Most Honest Tourism Film केटेगरी–3 गोल्ड एवं 1 कास्य जिसे हंगरी फिल्म्स (Production House) को प्रदान किया गया।
2. दिनांक 03.05.2019 को International Eco & Travel Film Festival तोर्तोस (केटालोनिया, स्पेन) में टूरिज्म कम्युनिकेशन की 19 श्रेणियों में से मध्यप्रदेश टूरिज्म के डेस्टिनेशन TVC को मेमोरीज ऑफ डेस्टिनेशन की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार "Terres Award" से सम्मानित किया गया।
3. दिनांक 5 जून 2019 में US इंटरनेशनल फिल्म एंड विडियों फेस्टिवल आवर्ड्स के 52वें संस्करण (US International Film and Video Festival Award 2019) में लॉस एंजेल्स (Los Angeles) में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के डेस्टिनेशन TVC को मेमोरीज ऑफ डेस्टिनेशन की श्रेणी में "जी–गोल्ड कैमरा आवार्ड" से सम्मानित किया गया।
4. दिनांक 27 सितम्बर 2019 को विश्व पर्यटन दिवस पर नई दिल्ली में पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "नेशनल टूरिज्म अवार्ड्स 2017–18" का आयोजन किया गया, जिसमें मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड को हॉल ऑफ फेम अवार्ड्स फॉर बेस्ट स्टेट प्राप्त हुआ जो कि तीन वर्षों तक मान्य है तथा निम्न 9 नेशनल टूरिज्म अवार्ड्स से सम्मानित किया गया –
    1. सर्वश्रेष्ठ साहसिक (Adventure) राज्य – मध्यप्रदेश
    2. विदेशी भाषा में प्रकाशन में उत्कृष्टता – चीनी ब्रोशर
    3. सर्वश्रेष्ठ पर्यटन संवर्धन प्रचार सामग्री – मध्यप्रदेश पर्यटन द्वारा लोनली प्लैनेट पॉकेट गाइड
    4. बेस्ट मेंटेन एंड डिफरेंटली एबल्ड फ्रेंडली मॉन्यूमेंट श्रेणी – सांची में बौद्ध स्मारक
    5. बेस्ट वाइल्डलाइफ गाइड – मनोज कुमार, पन्ना
    6. हेरिटेज सिटी – ओरछा
    7. सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डा – इंदौर
    8. स्वच्छता पुरस्कार – इंदौर
    9. सर्वश्रेष्ठ टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर (10 करोड़ से नीचे) – रेडिएंट ट्रेवल
5. Cannes Corporate Media & TV Award 2019 का अयोजन फ्रांस में किया गया। जिसमें मध्यप्रदेश की डेस्टिनेशन विडियों फिल्म को मेमोरीज ऑफ डेस्टिनेशन (Memories of Destination) की श्रेणी में सिल्वर अवार्ड (Silver Award) दिया गया।
6. 11वीं इंटरनेशनल फेस्टिवल ऑफ टूरिज्म एंड एन्वायरमेन्ट फिल्म SILAFEST 2019 (Silver Lake Tourism Film Festival) वेलिको ग्रैडिएट, सर्बिया में मध्यप्रदेश की फिल्म मेमोरिज ऑफ डेस्टिनेशन को WHITE ACACIA - Best Original Score श्रेणी में अवार्ड दिया गया।
7. लोनली प्लानेट द्वारा जारी की गयी टॉप 10 दुनिया की सबसे अच्छी मूल्य गंतव्यों (Best Value Destinations of the World) की ranking में मध्यप्रदेश तीसरे स्थान पर है।

**परिशिष्ट–नौ**

## जनवरी से दिसम्बर 2019 तक कौशल संवर्धन एवं प्रशिक्षण की उपलब्धियाँ

1. प्रदेश के युवाओं को सेवा क्षेत्र में बढ़ावा देने एवं उपलब्ध अवसरों से जोड़ने के प्रयास अंतर्गत विभाग द्वारा प्रदेश में आतिथ्य एवं पर्यटन के क्षेत्र में तीन फूड एंड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट्स, खजुराहो, जबलपुर एवं रीवा में, एसआईएचएम, संस्थान इंदौर, एम.पी.आई.एच.टी.टी.एस. भोपाल में एवं इनके अतिरिक्त IHM संस्थान ग्वालियर एवं भोपाल में संस्थान संचालित हैं।

2. मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा पर्यटन एवं आतिथ्य के क्षेत्र में नवीन व्यवहारिक पाठयक्रम का निर्माण एवं देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय द्वारा पाठयक्रम को स्वीकार कर नवीन पांच वर्षीय पाठयक्रम बी.बी.ए., एम.बी.ए. टूरिज्म का प्रारंभ किया गया।

3. वर्ष 2019–20 में फूड एंड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट्स, खजुराहो एवं रीवा में IHM भोपाल के सहयोग से नियमित पदों पर भर्ती की गई।

   (i) फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट, खजुराहो – 02

   (ii) फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट, रीवा – 04

4. विभाग अंतर्गत संचालित संस्थानों में पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार से मान्यता प्राप्त नियमित पाठ्क्रम हेतु 1608 सीट्स की अनुमति प्राप्त है, जिनमें वर्ष 2019–20 में कुल 907 छात्र विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हैं।

5. वर्ष 2019–20 में हुनर से रोजगार योजना अंतर्गत 373 प्रशिक्षणार्थियों को पर्यटन एवं आतिथ्य के क्षेत्र में प्रशिक्षित किया जा चुका है।

6. विभाग अंतर्गत संचालित फूड एंड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट्स में डिप्लोमा कोर्सेज हेतु हिंदी भाषा में पाठ्यक्रम लागू किया गया जो कि अन्य किसी प्रदेश में लागू नहीं है। हिंदी भाषा में पाठ्यक्रम लागू होने से प्रदेश के युवा मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के युवाओं को लाभ होगा एवं वे मुख्य धारा में जुड़ सकेंगे।

7. MPIHTTS, भोपाल में अकादमिक वर्ष 2018–19 से बी.बी.ए. टूरिज्म एवं हॉस्पिटेलिटी (कुल सीट 60) का नवीन पाठयक्रम प्रारंभ तथा अकादमिक वर्ष 2019–20 से बी.बी.ए. होटल मैनेजमेंट जिसमें कुल सीट 60 का प्रारम्भ किया गया।

8. प्रदेश में युवाओं को पर्यटन के क्षेत्र से जोड़ने के उद्देश्य से प्रदेश में तीन नए क्षेत्रों में नए फूड एंड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट्स खोलने का निर्णय लिया गया है। इस हेतु विभाग द्वारा शहडोल, धार एवं बालाघाट में नए फूड एंड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट्स खोलने हेतु प्रस्ताव भारत सरकार को प्रेषित किया जा चुका है।

9. प्रदेश में विभाग द्वारा प्रशिक्षण एवं क्षमता हेतु भी कार्य किया जा रहा है जिसके अंतर्गत विभाग के आधीन कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है जिससे वे बेहतर रूप से कार्य कर सकें। इसके साथ पर्यटन के क्षेत्र से जुड़े भारधारितों जैसे की टूरिस्ट पुलिस, नैचरलिस्ट, गाइड आदि को प्रशिक्षण एवं भ्रमण का आयोजन किया जा रहा है।

## होमस्टे–योजना

1. पर्यटकों को होमस्टे के माध्यम से प्रदेश की संस्कृति, परंपराओं एवं भोजन के अनुभव सहित स्वच्छ एवं किफायती ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराने एवं पर्यटन विकास में जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लक्ष्य से होमस्टे योजनाए प्रांरभ की गई है।
2. मध्यप्रदेश होमस्टे स्थापना (पंजीयन तथा नियमन) योजना 2010 (संशोधित 2018) में इकाईयों में उपलब्ध सुविधाओं के आधार पर सिल्वर, गोल्ड एवं डायमंड श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है।
3. नीति के अंतर्गत गोल्ड एवं डायमंड श्रेणी की इकाईयों को राज्य शासन द्वारा प्रोत्साहन राशि एवं प्रचार प्रसार हेतु प्रोत्साहन राशि का प्रावधान किया गया है।
4. उक्त के अतिरिक्त प्रदेश में तीन नवीन योजनाएं लागू की गई है :
   (i) मध्यप्रदेश बेड एंड ब्रेकफास्ट स्थापना (पंजीयन तथा नियमन) योजना 2019
   (ii) मध्यप्रदेश ग्राम स्टे स्थापना (पंजीयन तथा नियमन) योजना 2019
   (iii) मध्यप्रदेश फार्म स्टे स्थापना (पंजीयन तथा नियमन) योजना 2019
5. इन योजनाओं में पंजीकृत इकाईयों को प्रचार–प्रसार एवं पर्यटकों को अनुभव प्रदान करने के निर्धारित नियमों के आधार पर राज्य शासन द्वारा प्रोत्साहन राशि प्रदान करने का प्रावधान किया गया है।
6. आज दिनांक तक कुल 135 होमस्टे का पंजीकरण किया जा चुका है, जिनमें से 48 होमस्टे का पंजीकरण वर्ष 2019–20 में किया गया है।

## मध्यप्रदेश रिस्पोंसिबल टूरिज्म मिशन

मध्यप्रदेश में पर्यटन को अधिक जिम्मेदार तथा सतत् बनाने के उदेश्य से "मध्यप्रदेश रिस्पोंसिबल टूरिज्म मिशन" प्रारंभ किया गया है। जिसके अंतर्गत ग्रामीण पर्यटन, महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल, कौशल उन्नयन कार्यक्रम, हस्तशिल्प एवं हाथकरघा, कला एवं सांस्कृत संवर्धन, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, सुगम्यता अंकेक्षण एवं प्रशिक्षण का संचालन किया जायेगा।

## ग्रामीण पर्यटन एवं भ्रमण परियोजना

1. मध्यप्रदेश में ग्रामीण संस्कृत तथा ग्राम्य जीवन के अनुभव को पर्यटकों को प्रदान करने हेतु ग्रामीण पर्यटन कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। कार्यक्रम का क्रियान्वयन चयनित संस्थाओं द्वारा किया जा रहा है जिनको अभिव्यक्ति की अभिरुचि के माध्यम से सूचीबद्ध किया गया है। उक्त कार्यक्रम अंतर्गत पर्यटन हेतु उपयुक्त ग्रामो का चयन कर विभिन्न अनुभव प्रदान करने हेतु अभी तक लगभग 55 गावों का चयन किया गया है। चयनित ग्रामों में निम्न गतिविधियाँ पर्यटकों हेतु उपलब्ध होंगी –

(i) ग्राम में रहने की व्यवस्था,

(ii) स्थानीय लोक कला एवं गीत संगीत,

(iii) स्थानीय खान–पान का अनुभव,

(iv) स्थानीय खेल कूद,

(v) शुद्ध हवा एवं साफ वातावरण,

(vi) प्राकृतिक सौंदर्य, इत्यादि।

2. परियोजना को बेहतर रूप से क्रियान्वयन करने के उद्देश्य से विभिन्न स्टेक होल्डर्स (भारधारिताओं) के लिए कार्यशाला एवं भ्रमण का आयोजन किया गया जिनकी जानकारी निम्नलिखित है –

(i) परियोजना अंतर्गत सूचीबद्ध संस्थाओं हेतु 2 दिवसीय ओरियेंटेशन कार्यक्रम का आयोजन। (26–27 अप्रैल 2019) जिसमें लगभग 35 प्रतिभागी शामिल हुए।

(ii) EXPERIENCE SHARING BY LEADERS OF COMMUNITY HOMESTAY IN INDIA 'समुदाय आधारित पर्यटन' के विशेषज्ञों के अनुभवों को साझा करने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन। (11–12 सितम्बर, 2019) जिसमें 80 प्रतिभागी शामिल हुए।

(iii) ग्रामीण पर्यटन एवं भ्रमण के लिए क्रियान्वयन मार्गदर्शिका तैयार करने हेतु 02 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 06–07 दिसम्बर, 2019 को किया गया। जिसमें कुल 20 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया।

(iv) Go-MMT (Go-ibibo एवं Make My Trip) के साथ ऑनलाइन बाजार की संभावनाओं एवं प्राइजिंग पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 16 दिसम्बर 2019 को किया गया जिसमें 55 प्रतिभागियों द्वारा भागीदारी की गई।

(v) होमस्टे संचालकों एवं ग्रामीण पर्यटन एवं भ्रमण परियोजना में संलग्न संस्थाओं के लिए डिजिटल मार्केटिंग विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को सोशल मीडिया जैसे की Facebook, Instagram इत्यादि की उपयोगिता एवं इनका उपयोग कर बाजार में पहुँच बनाने की जानकारी दी गई व उनके अकाउंट बनाए गए। उक्त कार्यशाला में कुल 75 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया।

3. ग्रामीण पर्यटन के माध्यम से स्थानीय समुदाय की सहभागिता बढ़ेगी। पर्यटक आवागमन से स्थानीय युवाओं/समुदाय को सीधे लाभ होगा।

4. स्थानीय समुदाय का पर्यटन के प्रति जुड़ाव बढ़ेगा एवं वे पर्यटन स्थलों व पर्यटकों के प्रति जवाबदेही होंगे।

5. ग्रामीण पर्यटन के माध्यम से प्रदेश में आर्थिक विकास के साथ स्थानीय सहभागिता से स्थायित्वपूर्ण एवं जिम्मेदार पर्यटन को स्थापित किया जा सकेगा।

## सेफ टूरिज्म डेस्टिनेशन फॉर वूमन इन मध्यप्रदेश

1. मध्यप्रदेश के चयनित पर्यटन स्थलों में महिला पर्यटकों की संख्या में वृद्धि करने हेतु तथा महिलाओं को भयमुक्त वातावरण में पर्यटन की सुविधा प्रदान करने के उदेश्य से "महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल" नाम से 27.98 करोड़ की परियोजना मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा तैयार की गई जिसका ''निर्भया योजनान्तर्गत'' महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 19/12/2019 को नई दिल्ली एमपावर्ड कमेटी की बैठक में स्वीकृति प्रदान की गई है।
2. परियोजना के क्रियान्वयन के लिए कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। पर्यटन स्थलों के माँग के अनुरूप योजना के अनुसार क्रियान्वयन किया जाएगा।

## सुगम्यता अंकेक्षण

1. प्रदेश में सभी प्रकार के पर्यटकों, मुख्यतः differently able पर्यटकों के पर्यटन स्थलों में घूमने हेतु सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश के पर्यटन स्थलों एवं पर्यटन विभाग द्वारा संचालित होटलों का सुगम्यता अंकेक्षण एवं कार्यरत स्टाफ का प्रशिक्षण करने का निर्णय लिया गया।
2. सुगम्यता अंकेक्षण एवं प्रशिक्षण के क्रियान्वयन हेतु संस्था को रुचि के अभिव्यक्ति के माध्यम से सूचीबद्ध किया गया है।
3. माह मार्च 2020 तक 10 पर्यटक स्थलों की धरोहरों का सुगम्यता अंकेक्षण पूर्ण कर लिया जाएगा।

## ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन

प्रदेश के नैशनल पार्कों को प्रदूषण मुक्त रखने के उद्देश्य से एवं वन्य प्राणियों की सुरक्षा की दृष्टि से चयनित नैशनल पार्कों पर ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन हेतु कार्यक्रम के क्रियान्वयन का निर्णय लिया गया है। इसका क्रियान्वयन स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चत करते हुए किया जाएगा। प्रारम्भ में सात नैशनल पार्कों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य किया जाएगा।

## विभिन्न प्रशिक्षणों की प्रशिक्षणवार जानकारी –

| क्र. | प्रशिक्षण का नाम | प्रशिक्षण अवधि | प्रशिक्षणवार संख्या | प्रशिक्षण विवरण |
|---|---|---|---|---|
| 1. | प्रकृतिविद गाईड प्रशिक्षण (Naturalist Guide Training) कार्यक्रम) | दिनांक 20 से 24 मई 2019 | 25 | वन प्रक्षेत्र में कार्यरत 25 अधिकारियों/ कर्मचारियों को भारतीय वन प्रबंध संस्थान, भोपाल के विषय विशेषज्ञों के सहयोग से दिनांक 20 से 24 मई 2019 तक निगम मुख्यालय, भोपाल में 05 दिवसीय प्राकृतिकविद गाईड प्रशिक्षण (Naturalist Guide Training) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। |
| 2. | होटल मैनेजमेंट प्रशिक्षण | दिनांक 22 से 25 जुलाई 2019 तक | 10 | पर्यटकों को उनकी रूचि अनुसार राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की उत्कृष्ट सेवाएं प्रदाय किये जाने के दृष्टिकोण से होटल/मोटल प्रक्षेत्र में कार्यरत 10 क्षेत्रीय प्रबंधक/ईकाई प्रभारियों को दिनांक 22 जुलाई से 25 जुलाई 2019 तक (तीन दिवसीय) अद्यतन होटल मैनेजमेंट प्रशिक्षण Wildernest Nature Resort, Goa में प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। |
| 3. | वाहन चालकों को वाहन चालन का अद्यतन व्यवहारिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण | दिनांक 19 एवं 20 सितम्बर 2019 (दो दिवसीय) | 27 | निगम में कार्यरत 27 वाहन चालकों को वाहन चालन का अद्यतन व्यावहारिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण, विषय विशेषज्ञों द्वारा दिनांक 19 एवं 20 सितम्बर 2019 तक संपन्न हुआ। |
| 4. | प्रकृतिविद गाईड प्रशिक्षण (Naturalist Guide Training) कार्यक्रम) | दिनांक 21 से 25.09. 2019 तक | 25 | पचमढ़ी प्रक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक/ईकाई प्रभारियों द्वारा नामांकित कुल 25 कर्मचारियों/स्थानीय शिक्षित युवाओं को दिनांक 21 से 25.09.2019 तक (पॉच दिवसीय) होटल हाईलैण्ड, पचमढ़ी में प्राकृतिकविद गाईड प्रशिक्षण (Naturalist Guide Training) कार्यक्रम, भारतीय वन प्रबंध संस्थान (IIFM) भोपाल के विषय विशेषज्ञों द्वारा संपन्न हुआ। |
| 5. | किचन संधारण एवं संचालन अद्यतन प्रशिक्षण | निरंतर प्रक्रिया | लगभग 60 प्रशिक्षणार्थी | जबलपुर, ग्वालियर एवं इंदौर प्रक्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रबंधक/ईकाई प्रभारी द्वारा नामांकित लगभग 60 विभागीय कर्मचारियों को किचन संधारण/संचालन का पॉच दिवसीय अद्यतन प्रशिक्षण दिया गया। |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 6. | हाउसकीपिंग संधारण एवं संचालन अद्यतन प्रशिक्षण | निरंतर प्रक्रिया | लगभग 125 प्रशिक्षणार्थी | इन्दौर, खजुराहो, पचमढ़ी, जबलपुर एवं ग्वालियर प्रक्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रबंधक/ईकाई प्रभारी द्वारा नामांकित लगभग 125 विभागीय कर्मचारियों को हाउसकीपिंग संधारण/संचालन का पॉच दिवसीय अद्यतन प्रशिक्षण दिया गया। |
| 7. | प्रकृतिविद गाईड प्रशिक्षण (Naturalist Guide Training) कार्यक्रम | दिनांक 25 से 29.11. 2019 तक | 30 | जबलपुर प्रक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक/ईकाई प्रभारियों द्वारा नामांकित कुल 30 कर्मचारियों/स्थानीय शिक्षित युवाओं को दिनांक 25 से 29.11.2019 तक (पॉच दिवसीय) होटल कान्हा सफारी लॉज, मुक्की में 'प्राकृतिकविद गाईड प्रशिक्षण (Naturalist Guide Training) कार्यक्रम, भारतीय वन प्रबंध संस्थान (IIFM) भोपाल के विषय विशेषज्ञों द्वारा संपन्न हुआ। |
| 8. | पर्यटक पुलिस का प्रशिक्षण (प्रथम बेच) | 24–30 सितम्बर, 2019 | 27 प्रशिक्षणार्थी | इन प्रशिक्षणों का उद्देश्य पर्यटकों के पर्यन स्थल पर पुलिस के माध्यम से बेहतर सेवा उपलब्ध करना है। जिससे कि पर्यटक आवश्यकता पड़ने पर पुलिस के पास जाएँ तो उनको बेहतर सेवा उपलब्ध हो। |
| 9. | पर्यटक पुलिस का प्रशिक्षण (द्वितीय बेच) | 18–10 अक्टूबर, 2019 | 19 प्रशिक्षणार्थी | |
| 10. | नैचरलिस्ट प्रशिक्षण | 20–24 मई, 2019 | 25 प्रशिक्षणार्थी | मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा IIFM, भोपाल संस्थान के सहयोग से कुल 25 लोगों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। |
| 11. | हितधारक एवं वाहन चालक का प्रशिक्षण (प्रथम बेच) | 10–11 दिसम्बर, 2019 | 82 प्रशिक्षणार्थी | उद्यमिता आधारित पर्यटन विषय पर कार्यशाला सह प्रशिक्षण मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा म्क्प्, अहमदाबाद संस्थान के सहयोग से 02 एक दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण का आयोजन ओरछा में किया गया, जिसमें 40 हितधारक एवं 42 वाहन चालक को प्रशिक्षित किया गया। |
| 12. | संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन प्रशिक्षण | 27–29 मई, 2019 | 07 प्रतिभागी | मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के 07 अधिकारियों द्वारा उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में भाग लिया गया था। |
| 13. | बजट प्रक्रिया उपयोग, प्रभावी | 22–26 जुलाई, | 05 प्रतिभागी | मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के 05 अधिकारियों द्वारा उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | नियंत्रण एवं अंकेक्षण | 2019 | | प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में भाग लिया गया था। |
| 14. | सायबर सुरक्षा एवं प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम | 13—15 नवम्बर, 2019 | 05 प्रतिभागी | मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के 05 अधिकारियों द्वारा उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में भाग लिया गया था। |
| 15. | मल्टी स्किल्ड केयर टेकर (होम स्टे) प्रशिक्षण | 24 जून से 12 जुलाई, 2019 | 15 प्रशिक्षणार्थी | होटल प्रबंध संस्थान, भोपाल द्वारा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत 15 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया। |
| 16. | एक्सपोजर विजिट (प्रथम बेच) | 23—26 मई, 2019 | 16 प्रशिक्षणार्थी | ''ग्रामीण पर्यटन एवं भ्रमण'' कार्यक्रम अंतर्गत संभावित चयनित हितग्राहियों की क्षमता विकास हेतु पूर्व से संचालित होम स्टे के भ्रमण हेतु छोटेराम प्रजापत होमस्टे के भ्रमण के लिए उक्त तिथियों में 04 एक्सपोजर विजिट कराये गये। |
| 17. | एक्सपोजर विजिट (द्वितीय बेच) | 05—08 जून, 2019 | 14 प्रशिक्षणार्थी | |
| 18. | एक्सपोजर विजिट (तृतीय बेच) | 23—28 जून, 2019 | 14 प्रशिक्षणार्थी | |
| 19. | एक्सपोजर विजिट (चतुर्थ बेच) | 26—30 जून, 2019 | 08 प्रशिक्षणार्थी | |

<u>परिशिष्ट–दस</u>

# आयोजन एवं विपणन की उपलब्धियाँ

1. **मीडिया फेम टूर** – दिनांक 8–12 एवं 20–24 फरवरी 2019 को 15 राष्ट्रीय स्तर के मीडिया फेम टूर का आयोजन किया गया। मीडिया फेम टूर के आयोजन के माध्यम से इन प्रतिभागियों को इंदौर, उज्जैन, माण्डू, महेश्वर, ओमकारेश्वर, भोपाल, मढ़ई, ओरछा एवं खजुराहो नगरों का भ्रमण कराया गया। जिससे प्रदेश पर्यटन को राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संचार माध्यमों से बढ़ावा मिल सके।

2. **गो हेरिटेज रन** – गो हेरिटेज रन का आयोजन मध्यप्रदेश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया जाता है, जिसमें प्रदेश के साथ ही देश विदेश से आये विभिन्न प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया जाता। इस आयोजन का उद्देश्य मध्यप्रदेश के सांस्कृतिक धरोहरों का प्रचार–प्रसार करना है। इस तरह के हेरिटेज रन का आयोजन मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड, भोपाल द्वारा प्रतिवर्ष चुनिंदा पर्यटन स्थलों पर किया जाता है। इसका विवरण निम्नानुसार है :–

| क्र. | स्थान | दिनांक |
|---|---|---|
| 1. | मांडू | 10 फरवरी 2019 एवं 08 सितंबर 2019 |
| 2. | पचमढी | 17 फरवरी 2019 |
| 3. | खजुराहो | 24 फरवरी 2019 |
| 4. | ग्वालियर | 10 मार्च 2019 एवं 11 अगस्त 2019 |
| 5. | पेंच | 17 मार्च 2019 |
| 6. | ओरछा | 01 सितंबर 2019 |
| 7. | भोपाल | 20 अक्टूबर 2019 |

3. **खजुराहो नृत्य महोत्सव** – खजुराहो नृत्य महोत्सव का आयोजन दिनांक 20 फरवरी से 26 फरवरी के मध्य किया गया। इस महोत्सव में देश के ख्याति प्राप्त कलाकारों को उनकी प्रतिभा प्रदर्शन हेतु आमंत्रित किया गया था। इस महोत्सव का उद्देश्य भारत के पंरम्परागत नृत्यों एवं सांस्कृतिक विरासतों को प्रोत्साहित करना है। उक्त महोत्सव का आयोजन मध्यप्रदेश के संस्कृति विभाग द्वारा किया गया। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त इस आयोजन में सहभागिता हेतु देश एवं विदेश से बहुत बड़ी संख्या में पर्यटक, फोटोग्राफर्स, लेखक एवं कलाकार मध्यप्रदेश आते हैं। इस महोत्सव के सफल संचालन हेतु मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई।

4. **पचमढ़ी मानसून मैराथन** – मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड 'एडवेंचर एंड यू' के साथ मिलकर 21 जुलाई 2019 को पचमढ़ी में मानसून पर्यटन का वार्षिक कार्यक्रम 'पचमढी मानसून मैराथन' का आयोजन किया गया। गौरतलब है कि भारत के सबसे खूबसूरत हिल स्टेशनों में से एक पचमढ़ी में अपने पहले संस्करण में सहभागियों तथा पर्यटकों का भरपूर सहयोग एवं प्रशंसा पाने के बाद दूसरे मानसून मैराथन का आयोजन किया गया था। इस प्रकार यह आयोजन एक वार्षिक मानसून आकर्षण बन गया है। इस मैराथन का मुख्य उद्देश्य मानसून में पचमढ़ी के नैसर्गिक सौंदर्य को देश विदेश के पर्यटकों से रूबरू कराना है। इस आयोजन से प्रदेश एवं देश में मानसून पर्यटन हेतु पचमढी का प्रचार–प्रसार होने के साथ ही स्वास्थ्य पर्यटन (वेलनेस टूरिज्म) एवं Active Holidays Concept को भी बढ़ावा मिलेगा एवं मानसून पर्यटन हेतु ज्यादा से ज्यादा लोग मध्यप्रदेश में भ्रमण करेंगे।
5. **सायकल सफारी** – दिनांक 23–25 अगस्त 2019 के मध्य सायकल सफारी का आयोजन भोपाल, भीमवेटिका, तवा, मढ़ई और पचमढ़ी में किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ईको फ्रेन्डली तथा प्रदूषण रहित ग्रीन टूरिज्म के साथ–साथ स्वास्थ्य पर्यटन (Health Tourism) के संदेश को लोगों तक पहुचाते हुए सतुपुड़ा की पहाडियों पर स्थित पर्यटन स्थलों से लागो को अवगत कराना है।
6. **पचमढ़ी उत्सव** – दिनांक 25–30 दिसम्बर 2019 के मध्य पचमढ़ी, जिला होशांगाबाद में आयोजित किया गया। पचमढी उत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम, रंगारंग नृत्य की प्रस्तुति और देश के जाने माने कलाकारों द्वारा मंच पर प्रदर्शन किया गया।
7. **मांडू फेस्टिवल** – दिनांक 28 दिसम्बर 2019 से 01 जनवरी 2020 के मध्य मांडू, जिला–धार में ''मांडू फेस्टिवल 2019'' का आयोजन किया गया। पांच दिन तक होने वाले इस महा उत्सव के तहत विभिन्न स्थानों पर अलग–अलग आयोजन किये गये। इसके साथ ही कार्यक्रम में लेजर शो का भी अयोजन किया गया और मांडू को यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल करने का प्रयास भी इस आयोजन में किया गया।
8. **पर्यटन प्रदर्शनियॉ** – देश में पर्यटन को बढावा देने हेतु प्रतिवर्ष पर्यटन संबंधित विभिन्न प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाता है। यह पर्यटन के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण एवं प्रतिष्ठित आयोजनों में से एक है। इसमें भारत वर्ष के अलावा देश–विदेश से टूर ऑपरेटर्स द्वारा भाग लिया जाता है। इन आयोजनों में मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा सक्रिय रूप से प्रतिवर्ष मध्यप्रदेश के पर्यटन क्षेत्र के हितग्राहियों (Stakeholder) के साथ उनके उत्पादों (होटल, रिसोर्ट, ट्रान्सपोर्ट कंपनी) को देशी एवं विदेशी क्रेताओं (Buyer) Tour Operators को Show case किया जाता है तथा प्रदेश में पर्यटन व्यवसाय को बढाने हेतु समग्र प्रयास किया जाता है। इस वर्ष आयोजित हुये एक्सीबिशन का विवणन निम्नानुसार है :–

| क्र. | नाम/स्थान | दिनांक |
|---|---|---|
| 1. | IITT मुम्बई | 10–12 जनवरी 2019 |
| 2. | TTB रॉची | 12–14 जनवरी 2019 |
| 3. | SATTE दिल्ली | 16–18 जनवरी 2019 |
| 4. | OTM मुम्बई | 23–25 जनवरी 2019 |
| 5. | ITM अहमदाबाद | 30 जनवरी से 01 फरवरी 2019 |
| 6. | IITE नागपुर | 01–03 फरवरी 2019 |
| 7. | TTF बैंगलूरू | 15–17 फरवरी 2019 |
| 8. | ITM चंडीगढ | 22–24 फरवरी 2019 |
| 7. | IITE भुवनेश्वर (ओडिशा) | 15–17 मार्च 2019 |
| 8. | GITB जयपुर | 28–30 अप्रैल 2019 |
| 9. | TTF हैदराबाद | 05–06 जुलाई 2019 |
| 10. | TTF कोलकाता | 12–14 जुलाई 2019 |
| 11. | टूरिज्म फेयर अहमदाबाद | 19–21 जुलाई 2019 |
| 11. | Travel & Tourism India Expo गोवा | 01–03 अगस्त 2019 |
| 12. | IITM बैंगलूरू | 02–04 अगस्त 2019 |
| 13. | ITM दिल्ली | 09–11 अगस्त 2019 |
| 14. | ADTOI अहमदाबाद | 16–18 अगस्त 2019 |
| 15. | IITE इंदौर | 16–18 अगस्त 2019 |
| 16. | TTF अहमदाबाद | 30 अगस्त से 01 सितम्बर 2019 |
| 17. | IATO कोलकाता | 12–15 सितम्बर 2019 |
| 18. | TTF मुबई | 13–15 सितम्बर 2019 |
| 19. | ITM नई दिल्ली | 23–25 सितम्बर 2019 |
| 20. | IITE मैगलोर | 15–17 नबम्बर 2019 |
| 21. | ITM इम्फाल (मणिपुर) | 23–25 नवम्बर 2019 |
| 21. | IITM पूणे | 29 नवम्बर से 01 दिसम्बर 2019 |
| 22. | IITM हैदराबाद | 06–08 दिसम्बर 2019 |
| 23. | ITM जयपुर | 06–08 दिसम्बर 2019 |
| 24. | TTF सिलीगुड़ी | 13–15 दिसम्बर 2019 |
| 25. | TTB रॉची | 20–22 दिसम्बर 2019 |
| 26. | ITM लखनऊ | 20–22 दिसम्बर 2019 |

9. **प्रवासी भारतीय सम्मेलन (वाराणसी)** – दिनांक 21–23 जनवरी 2019 को प्रवासी भारतीय सम्मेलन का आयोजन वाराणसी में किया गया। तीन दिवसीय सम्मेलन के आयोजन का उद्देश्य विदेश में निवास करने वाले भारतीयों को देश की मुख्य धारा में शामिल करना तथा भारत की विकास यात्रा में भागीदार बनाना है। अन्य राज्यों के साथ मध्यप्रदेश पर्यटन सूचना केन्द्र इस आयोजन में स्थापित किया गया तथा राज्य की सस्कृति व पर्यटन से आगन्तुकों को परिचित कराया गया।

10. **भारत पर्व** – दिनांक 26–31 जनवरी 2019 के मध्य पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 26 जनवरी से 31 जनवरी के मध्य लाल किला दिल्ली में ''भारत पर्व'' आयोजित किया गया। जिसमें प्रत्येक राज्य के विशिष्ट व्यजनों, हस्तशिल्प–हथकरघा एवं सांस्कृतिक आयोजनों के प्रस्तुतीकरण की व्यवस्था की गयी। इसके अतिरिक्त राज्यों द्वारा अपनी विशिष्ट उपलब्धियों की प्रर्दशनी भी लगाई गई। उक्त पर्व में मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा एक थीम स्टॉल एवं फूड स्टॉल के साथ सहभागिता की गई जिसे प्रदर्शनी में आने वाले अतिथियों द्वारा सराहा गया।

11. **इंडिया टूरिज्म रोड शो (बडोदरा)** – पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गुजरात के बडोदरा शहर में एक रोड शो का आयोजन दिनांक 25–26 फरवरी 2019 को किया गया, जिसमें सरकार की स्वदेश दर्शन एवं प्रसाद योजनाओं का प्रस्तुतिकरण किया गया। इस आयोजन में गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, दमन दीव तथा दादर एवं नगर हवेली प्रदेशों ने सहभागिता की। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड ने इस आयोजन में पर्यटन क्षेत्र के 10 हितधारकों के साथ सहभागिता की तथा प्रदेश में पर्यटन की योजनाओं एवं नवाचारों का प्रस्तुतिकरण किया, जिससे इस क्षेत्र में मध्यप्रदेश पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। मध्यप्रदेश का प्रस्तुतिकरण पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सराहा गया।

12. **दिल्ली TA/TO FAM Tour** – दिनांक 23/05/2019 से 29/05/2019 तक दिल्ली के विभिन्न ट्रेवल एजेंट एवं टूर ऑपरेटर्स को मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा FAM Tour हेतु आमंत्रित किया गया जिसमें दिल्ली के 11 ट्रेवल एजेंट को मध्यप्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों में ले जाकर वहॉ के प्राकृतिक सौंदर्य तथा पर्यटन गतिविधियों से परिचित कराया गया, जिससे ये ट्रेवल एजेंट तथा टूर ऑपरेटर उन स्थानों को उनकी यात्रा विवरणिका (Tour Itinerary) में सम्मिलित करें तथा मध्यप्रदेश में आ रहे देशी एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो ।

13. **इंडियन कन्वेंशन प्रोमोशन ब्यूरो (ICPB)** – दिनांक 29–31 अगस्त 2019 के मध्य इंडियन कनवेंशन प्रोमोशन ब्यूरो (ICPB) का आयोजन कोच्चि, केरल में किया गया। इसमें मध्यप्रदेश पर्यटन निगम के कन्वेंशन सेंटर ''द मिन्टो हॉल'' का प्रदर्शन किया गया और उसके बारे में अवगत कराया गया।

14. **ट्रेवल एजेंट एवं टूर ऑपरेटर प्रशिक्षण कार्यक्रम** – मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा ट्रेवल एजेंट एवं टूर ऑपरेटर प्रशिक्षण कार्यक्रम "एम.पी.एक्सपर्ट" का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उददेश्य ट्रेवल एजेंट एवं टूर ऑपरेटर्स को मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थलों से सम्बंधित समस्त महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित करना हैं ताकि वे पर्यटकों को मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थलों के बारे में सही एवं विस्तृत जानकारी प्रदान कर सके और अधिक से अधिक पर्यटकों को मध्य प्रदेश भ्रमण के लिए प्रेरित कर सके।

ट्रेवल एजेंट एवं टूर ऑपरेटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का विवरण निम्नानुसार है :–

| क्र. | दिनांक | स्थान |
|---|---|---|
| 1. | 13 अगस्त 2019 | अहमदाबाद |
| 2. | 20 अगस्त 2019 | मुम्बई |
| 3. | 22 अगस्त 2019 | औरंगाबाद |
| 4. | 29 अगस्त 2019 | पुणे |
| 5. | 03 सितंबर 2019 | नई दिल्ली |
| 6. | 05 सितंबर 2019 | जयपुर |
| 7. | 11 सितंबर 2019 | चंडीगढ़ |
| 8. | 13 सितंबर 2019 | रायपुर |
| 9. | 19 सितंबर 2019 | हैदराबाद |
| 10. | 25 सितंबर 2019 | बैंगलूरू |
| 11. | 26 सितंबर 2019 | कोलकाता |
| 12. | 01 अक्टूबर 2019 | भुवनेश्वर |

15. **रोड शो** – मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा विभिन्न शहरों में रोड शो का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य ट्रेवल एजेंट्स टूर ऑपरेटर्स एवं मीडिया को मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों, विभिन्न नवाचारों, होटल सुविधाओं, निवेश अवसरों, पर्यटन नीति तथा विभिन्न सर्किटों की जानकारी प्रदान करना है। जिससे पर्यटकों का मध्यप्रदेश के प्रति आकर्षण बढ़े और ज्यादा से ज्यादा पर्यटक मध्यप्रदेश भ्रमण करने हेतु प्रोत्साहित हों। रोड शो में मध्यप्रदेश के टूरिज्म क्षेत्र में सहभागियों (Stakeholders) द्वारा अपने पर्यटन उत्पादों के प्रचार–प्रसार एवं मार्केटिंग हेतु मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के साथ सभी स्थानों में सहभागिता की जाती है। इसमें मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम के मार्केटिंग कार्यालयों द्वारा भी भाग लिया गया।

**रोड शो का विवरण निम्नानुसार है :–**

| क्र. | दिनांक | स्थान |
|---|---|---|
| 1 | हैदराबाद | 12 जुलाई 2019 |
| 2. | सूरत | 19 जुलाई 2019 |
| 3. | बैंगलूरू | 27 जुलाई 2019 |
| 4. | पुणे | 31 अगस्त 2019 |
| 5. | औरंगाबाद | 21 अगस्त 2019 |
| 6. | जयपुर | 06 सितंबर 2019 |
| 7. | रायपुर | 14 सितंबर 2019 |
| 8. | विशाखापट्नम | 20 सितंबर 2019 |

16. **FITUR - Madrid, Spain -** दिनांक 23–27 जनवरी 2019 के मध्य स्पेन देश के मेड्रिड शहर में इंटरनेशनल टूरिज्म ट्रेड फेयर (FITUR) का आयोजन किया गया। इस वर्ष मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा इस प्रदर्शनी में सक्रिय रूप से भाग लिया गया। यह प्रदर्शनी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन क्षेत्र में उच्च स्थान रखने वाला एक आयोजन है, जिसके अंतर्गत विश्व स्तर पर पर्यटन प्रमुख देशों के प्रतिनिधि, टूर ऑपरेटर्स, ट्रेवल एजेंट्स, हाटेलिएर्स भाग लेते हैं। इस प्रदर्शनी में एक बड़ी संख्या में देशी– विदेशी पर्यटक एवं स्पेन के स्थानीय निवासियों ने भी भाग लिया। यह इवेंट अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन क्षेत्र में उच्च स्थान रखने वाला एक आयोजन है। इस इवेंट के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एवं यूरोपियन मार्केट में मध्य प्रदेश पर्यटन का प्रचार प्रसार करना जिससे अधिक से अधिक विदेशी पर्यटक मध्य प्रदेश के प्रति आकर्षित हो।

इसके साथ ही निम्नानुसार रोड शो का आयोजन भी किया गया –

28 जनवरी, 2019 को हेम्बुर्ग

29 जनवरी, 2019 को स्टुटगार्ड

31 जनवरी, 2019 को वेलेंशिया

17. **ITB (अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन प्रदर्शनी)** दिनांक 6 से 10 मार्च 2019 तक मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड ने ITB (अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन प्रदर्शनी) में भाग लिया। दुनिया का सबसे बड़ा यात्रा और पर्यटन मेला जो प्रतिवर्ष बर्लिन (जर्मनी) में आयोजित किया जाता है। राज्य के समृद्ध वन्यजीवों और वन प्रसादों को प्रदर्शित करने के लिए विशेष रूप से सुसज्जित एमपी पैवेलियन में राज्य के कुछ श्रेष्ठ आवास प्रदाताओं और ट्रैवल एजेंट्स/टूर ऑपरेटरों ने भागीदारी की। मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम ने भी अपने होटल और रिसोर्ट को प्रस्तुत किया। आगंतुकों के लिए विशेष आकर्षण मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड का फोटो बूथ था। जिसके द्वारा पैवेलियन में आने वाले विदेशी अतिथियों को प्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों के साथ फोटो खीचने का मौका मिला। ITB में मध्यप्रदेश के पर्यटन क्षेत्रों में आगंतुकों ने विशेष रूचि दिखाई।

18. **MITT (Moscow International Travel Tourism) -** मध्यप्रदेश पर्यटन ने दिनांक 12 से 14 मार्च 2019 तक Moscow International Travel Tourism (MITT) मास्को (रशिया) में भाग लिया जो दुनिया की शीर्ष पांच यात्रा प्रदर्शनियों में से एक है। प्रदर्शनी में रूस और Commonwealth of Independent State (CIS) के महत्वपूर्ण ट्रैवल एजेंटों, टूर ऑपरेटरों और मीडिया प्रतिनिधियों से मिलने का अवसर दिया है, जिससे आने वाले वर्ष में प्रदेश में पर्यटन क्षेत्रों में बड़ी संभावनाएं दिखाई देती हैं। मध्यप्रदेश टूरिज्म ने वन्यजीव पर्यटन को थीम के रूप में प्रदर्शित "जंगल बुक" रूस में

बहुत लोकप्रिय है। म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम के अधिकारियों ने प्रदेश के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 25 से अधिक टूर कंपनियों और मीडिया प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। राज्य के कुछ महत्वपूर्ण DMC भी मौजूद थे जो वहां की क्षमताओं को उजागर करने और रूसी बाजार के साथ साझा करने के लिए प्रयासरत थे। यह आयोजन बहुत सफल रहा और रूस के ट्रैवल एजेन्ट्स ने मध्य प्रदेश के पर्यटन में विशेष रुचि दिखाई।

19. **TOP RESA, पेरिस (फ्रांस)** – दिनांक 01 से 04 अक्टूबर 2019 के मध्य पेरिस (फ्रांस) में TOP RESA का आयोजन किया गया। आयोजन के अंतर्गत मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड एवं देश विदेश के पर्यटन बोर्ड, टूर ऑपरेटर्स, ट्रेवल एजेंट्स ने भाग लिया गया। मध्य प्रदेश स्थित ट्रेवल एजेंट्स, टूर ऑपरेटर्स, होटेलिएर्स आदि को इस B2B मार्ट में मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के साथ सहभागिता का अवसर प्रदान किया गया जिससे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश में पर्यटन का विकास हो सके और अधिक से अधिक पर्यटकों को मध्य प्रदेश पर्यटन हेतु आकर्षित किया जा सके।

20. **अंतर्राष्ट्रीय रोड शो, स्वीडन और नॉर्वे** – दिनांक 07 अक्टूबर को स्टॉकहोम, स्वीडन में और दिनांक 09 अक्टूबर 2019 को नॉर्वे, ओस्लो में रोड शो का आयोजन किया गया जिसमें वहां स्थित टूर ऑपरेटर्स, ट्रेवल एजेंट्स को आमंत्रित कर उन्हें मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों की जानकारी PPT प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रदान की गयी, इस रोड शो का उद्देश्य मध्य प्रदेश का प्रचार–प्रसार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर करना है, जिससे विदेशी पर्यटकों में मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों के प्रति आकर्षण पैदा हो तथा मध्यप्रदेश में पर्यटकों की संख्या में बृद्धि हो।

21. **ITB Asia, सिंगापुर** – दिनांक 16–18 अक्टूबर 2019 के मध्य Messe Berlin (Singapore) Pvt. Ltd. द्वारा सिंगापुर में ITB Asia का आयोजन किया गाया था। ITB ASIA अपने मूल रूप ITB Berlin के organizers द्वारा Asia में प्रतिवर्ष अक्टूबर में आयोजित किया जाने वाला तीन दिवसीय आयोजन है जिसमें South East Asia के देशों की सहभागिता प्रमुखता से होती है। इस में प्रदेश के पर्यटन स्थलों की जानकारी विभिन्न प्रकार के माध्यमों द्वारा दी गई तथा आने वाले टूर आपरेटर्स से मिलकर भविष्य मे मध्यप्रदेश में पर्यटन हेतु उन देशों के पर्यटकों को आकर्षिक करने की योजना बनाई गई।

22. **WTM London (UK)** – प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 04 से 06 नबम्बर 2019 के मध्य लंदन (UK) में WTM पर्यटन प्रदर्शनी आयोजित हुई। जिसमें मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा सहभागिता की गयी। पर्यटन की दृष्टि से विश्व भर में आयोजित पर्यटन प्रदर्शनियों में WTM–लंदन सबसे महत्वपूर्ण एवं व्यापक रूप में आयोजित होने वाली प्रदर्शनी है और देश के लगभग सभी राज्य पर्यटन विभागों द्वारा इस प्रदर्शनी में भाग लिया जाता है।

<u>परिशिष्ट–ग्यारह</u>

# रचनात्मक एवं प्रचार–प्रसार की उपलब्धियाँ

1. जनवरी माह में कलिनरी पुस्तिका (Culinary Brochure) – मध्यप्रदेश के शहरों के प्रसिद्ध खान–पान जैसे ग्वालियर की गजक, भोपाल के सींक कबाब, भोपाली मटन कोरमा, इंदौर के नमकीन, पोहा जलेबी इत्यादि पर स्पेनिश भाषा में पुस्तिका छपवाई गयी, जिसका उद्घाटन स्पेन स्थित भारत के राजदूत द्वारा FITUR में किया गया। इस पुस्तिका को अंतर्राष्ट्रीय ट्रेवल ट्रेड फेयर FITUR, Spain एवं वहां आयोजित रोड शो में अंतर्राष्ट्रीय टूर ऑपरेटर, ट्रेवल एजेंट्स आदि को मध्यप्रदेश के खान पान की जानकारी एवं उसके प्रति आकर्षित करने हेतु दिया गया जिसे उनके द्वारा काफी पसंद किया गया।
2. गोवा में तीन दिवसीय कार्यक्रम GOAFEST दिनांक 11 से 13 अप्रैल के मध्य आयोजित हुआ। भारत में विज्ञापन एवं मीडिया के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले बाजारों, माध्यमों और भाषाओं की रचनात्मकता और अभियानों आदि में Abby Award 2019 के माध्यम से पुरस्कार प्रदान किये गए जिसमें मध्यप्रदेश टूरिज्म के नवीन डेस्टिनेशन TVC को सर्वश्रेठ डायरेक्शन, एडिटिंग, म्यूजिक एवं स्पेशल इफेक्ट्स के क्षेत्र में "The World Most Honest Tourism Film केटेगरी–3 गोल्ड एवं 1 कांस्य जिसे हंगरी फिल्म्स (Production House) को प्रदान किया गया।
3. मध्यप्रदेश पर्यटन के डिजिटल/सोशल मीडिया हैंडल – ट्विटर (Twitter) पर पचास हजार से ज्यादा अनुयायी (Followers) जुड़ चुके है एवं इंस्टाग्राम (Instagram) पर साठ हजार से ज्यादा का आकड़ा पार किया।
4. दिनांक 03.05.2019 को International Eco & Travel Film Festival आयोजन हुआ जिसे तोर्तोस (केटालोनिया, स्पेन) के थिएटर ऑडिटोरियम फेलिप पेद्रेल्ल में आयोजित किया गया, जिसमें टूरिज्म कम्युनिकेशन की 19 श्रेणियों में से मध्यप्रदेश टूरिज्म के डेस्टिनेशन TVC को मेमोरीज ऑफ डेस्टिनेशन की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार "Terres Award" से सम्मानित किया गया।
5. दिनांक 5 जून 2019 में US इंटरनेशनल फिल्म एंड वीडियों फेस्टिवल आवर्ड्स के 52 वें संस्करण (US International Film and Video Festival Award 2019) का आयोजन लॉस एंजेल्स (Los Angeles) में किया गया। जिसमें 23 देशों के 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें से मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के डेस्टिनेशन TVC को मेमोरीज ऑफ डेस्टिनेशन की श्रेणी में "जी–गोल्ड कैमरा आवार्ड" से सम्मानित किया गया।

6. मध्यप्रदेश की वर्षा ऋतू (monsoon) बहुत की आकर्षक और मनमोहक है। मध्यप्रदेश के दार्शनिक स्थल जैसे पचमढ़ी, तवा, मढ़ई, मांडू, अमरकंटक, भोपाल, जंगलों आदि का मानसून डेस्टिनेशन के रूप में प्रचार–प्रसार विभिन्न राज्यों के दैनिक अखबारों, पत्रिकाओं एवं रेडियो जिंगल के मध्यम से #MP Monsoon Magic का use कर किया गया, इसके साथ ही मध्यप्रदेश टूरिस्म की वेबसाइट, डिजिटल एवं सोशल मीडिया जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर पर भी #MP Monsoon Magic का use कर किया गया, जिसे लोगों द्वारा काफी पंसद किया गया।
7. मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड ने नए रणनीतिक डिजिटल मीडिया अभियानों का आरम्भ करते हुए डिजिटल मीडिया प्लेटफार्मों पर सभी राज्यों के बीच पर्यटन के अग्रणी के रूप में खुद को स्थापित करने के लिए Campaign की शुरूआत की। मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय उद्यान के बफर जोन में मानसून स्थलों और सफारी को बढ़ावा देने के लिए #MPMonsoonMagic और #BufferMaiSafar के साथ डिजिटल अभियान शुरू हुआ। इसके बाद विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर 27 सितंबर 2019 को एमपी टूरिज्म (#MPTourism, #HeartOfIndia, #TigerStateOfIndia) के लिए ट्विटर पर Emoji को लॉन्च और ट्रेंड किया गया, जिसने हमारे "टाइगर ऑफ इंडिया" की उपाधि का भी प्रतिनिधित्व किया। 1.5 लाख से अधिक followers और हमारे twitter कम्युनिटी की वृद्धि में साथ मध्यप्रदेश टूरिज्म अब देश डिजिटल क्षेत्र के अग्रणी टूरिज्म बोर्ड में शामिल हो गया है।
8. दिनांक 27 सितम्बर 2019 को विश्व पर्यटन दिवस पर नई दिल्ली में पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "नेशनल टूरिज्म अवार्ड्स 2017–18" का आयोजन किया गया, जिसमें मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड को हॉल ऑफ फेम अवार्ड्स फॉर बेस्ट स्टेट प्राप्त हुआ जो कि तीन वर्षों तक मान्य है तथा 9 नेशनल टूरिज्म अवार्ड्स से सम्मानित किया गया। इसका प्रचार मध्यप्रदेश पर्यटन के डिजिटल एवं सोशल मीडिया पर छाया चित्रों को अपलोड कर किया गया।
   1. सर्वश्रेष्ठ साहसिक राज्य – मध्यप्रदेश
   2. विदेशी भाषा में प्रकाशन में उत्कृष्टता – चीनी ब्रोशर
   3. सर्वश्रेष्ठ पर्यटन संवर्धन प्रचार सामग्री – मध्यप्रदेश पर्यटन द्वारा लोनली प्लैनेट पॉकेट गाइड
   4. बेस्ट मेंटेन एंड डिफरेंटली एबल्ड फ्रेंडली मॉन्यूमेंट श्रेणी – सांची में बौद्ध स्मारक
   5. बेस्ट वाइल्डलाइफ गाइड – मनोज कुमार, पन्ना
   6. हेरिटेज सिटी – ओरछा
   7. सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डा – इंदौर
   8. स्वच्छता पुरस्कार – इंदौर
   9. सर्वश्रेष्ठ टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर (10 करोड़ से नीचे) – रेडिएंट ट्रेवल

9. Cannes Corporate Media & TV Award 2019 का अयोजन फ्रांस में किया गया। जिसमें मध्यप्रदेश की डेस्टिनेशन विडियों फिल्म को मेमोरीज ऑफ डेस्टिनेशन (Memories of Destination) की श्रेणी में सिल्वर अवार्ड (Silver Award) दिया गया। फिल्म का प्रसारण अवार्ड वितरण समारोह के दौरान भी किया गया साथ ही वेबसाइट पर भी चलाया गया, जिसे वहां मौजूद व्यक्तियों द्वारा काफी सराहा गया।
10. 11वीं इंटरनेशनल फेस्टिवल ऑफ टूरिज्म एंड एन्वायरमेन्ट फिल्म SILAFEST 2019 (Silver Lake Tourism Film Festival) का आयोजन वेलिको ग्रैडिएट, सर्बिया में किया गया, जिसमें इस वर्ष सिलेक्शन समिति द्वारा आधिकारिक अवार्ड 2019 के लिए 55 फिल्मों को नामांकित किया गया, जिसमें मध्यप्रदेश की फिल्म मेमोरिज ऑफ डेस्टिनेशन को WHITE ACACIA - Best Original Score श्रेणी में अवार्ड दिया गया एवं फिल्म वेलिको ग्रैडिएट में जनता को दिखाया गया।
11. डिजिटल एवं सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर मध्यप्रदेश का प्रचार–प्रसार करने हेतु विज्ञापन चलाये गए जैसे –

- मध्यप्रदेश की Monsoon डेस्टिनेशन का बड़े स्तर पर प्रचार–प्रसार किया गया। डिजिटल प्लेटफार्मस् पर #buffermaisafar का प्रयोग कर मानसून कैंपेन चलाया गया, जिसे व्यक्तियों द्वारा काफी पसंद किया गया।
- डिजिटल एवं सोशल मीडिया पर ट्विटर के साथ मिलकर इमोजी (emoji) का शुभारंभ किया गया है। मध्यप्रदेश अभी तक एक मात्र ऐसा राज्य है जिसने अपना इमोजी (emoji) बनाया। जिसे लोगों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है।
- ट्विटर पर follower की संख्या अक्टूबर माह तक 43,500 बढ़ी जिससे अब ट्विटर पर कुल follower की संख्या 1,83,500 हो गयी है।
- सिटी वॉक फेस्टिवल का आयोजन अक्टूबर से नवम्बर माह के मध्य 11 जिलों में किया जा रहा है जिसका प्रचार–प्रसार डिजिटल एवं सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर फोटोज एवं वीडियोज के माध्यम से अक्टूबर से निरन्तर किया जा रहा है, जिससे सिटी वॉक में भाग लेने वाले व्यक्तियों की संख्या में भी इजाफा हुआ है।

12. लोनली प्लानेट द्वारा जारी की गयी टॉप 10 दुनिया की सर्वश्रेष्ठ मूल्य गंतव्यों (Best Value Destinations of the World) की ranking में मध्यप्रदेश तीसरे स्थान पर है।

13. मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड ने मध्यप्रदेश को एक ऐसे गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दृष्टि के साथ, जहां जाना हर टूरिस्ट के दिल की इच्छा हो, डिजिटल अभियान के पहले चरण की शुरूआत की गयी, जिसका hashtag #SabKuchJoDilchahe है। अभियान की शुरूआत दो प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा मध्यप्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों की यात्रा करने और उनकी यात्रा के दौरान पर्यटन स्थलों पर डिजिटल सामग्री बनाने से हुई। इस डिजिटल अभियान के लिए डिजिटल फिल्म की शूटिंग भी की गई। अभियान आगामी महीने में डिजिटल फिल्म के साथ लाइव होगा। इसके अलावा पर्यटन स्थलों का बढ़ावा देने के प्रयासों के फलस्वरूप ट्विटर समुदाय में 2 लाख अनुयायियों की वृद्धि भी हुई है।

14. दिसम्बर माह में आगामी तीन महोत्सवों–मांडू उत्सव, जल महोत्सव एवं हृदय दृश्यम का प्रचार–प्रसार व्यापक रूप से किया गया, जिनका आयोजन दिसम्बर एवं जनवरी माह में होना है। जिसका मध्यप्रदेश के डिजिटल एवं सोशल मीडिया पर रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा होर्डिंग एवं अखबार में विज्ञापनों के माध्यम से लगातार प्रचार–प्रसार किया जा रहा है, जिससे ज्यादा से ज्यादा पर्यटक इन उत्सवों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा सके और प्रदेश में आयोजित हो रहे सांस्कृतिक एवं साहसिक आयोजनों में लाभ ले सके तथा मध्यप्रदेश को फेस्टिव डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जा सके।

परिशिष्ट–बारह

# पर्यटन निवेश संवर्धन की उपलब्धियाँ

**1. पर्यटन क्षेत्र में निवेश हेतु सर्वाधित उपयुक्त स्थल–**

मध्यप्रदेश की केन्द्रीय भौगोलिक स्थिति, विविधतापूर्ण जलवायु, प्राकृतिक सौन्दर्य, वन्य जीवन, पुरातात्विक सम्पदाओं, सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थलों, विविधापूर्ण संस्कृति, वस्त्र, खानपान, प्रदेश की जीवन रेखा नर्मदा एवं बनें बांध, शांतिपूर्ण वातावरण, यहां के लोग प्रदेश को एक अनूठी पहचान देते हैं। तथ्यात्मक रूप से आवासीय एवं मनोरंजन सुविधाओं, अधोसंरचना एवं पर्यटन सुविधाओं के विकास हेतु पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश की असीम संभावनायें हैं।

**2. निवेश पर्यटन संबंधी नीतियां–**

**वर्ष के दौरान निम्न नीतियाँ संशोधित की गई–**

2.1 पर्यटन नीति (2016) संशोधित 2019 ।

2.2 मार्ग सुविधा केन्द्रो की स्थापना एवं संचालन की नीति (2016) संशोधित 2019

2.3 इन्वेस्टमेंट प्रमोशन इनीशियेटिव्स एण्ड सेक्टोरल पॉलिसीज 2019।

**3. पर्यटन नीति (2016) संशोधित 2019 की मुख्य विशेषताएं –**

3.1 व्यापक, सरल एवं पारदर्शी निवेशक मित्र पर्यटन नीति तैयार की गई है।

3.2 निजी निवेशकों को पर्यटन परियोजना स्थापना हेतु शासकीय भूमियों का 30 से 90 वर्ष तक की लीज पर ऑन लाईन निविदा के माध्यम से आवंटन एवं निविदा हेतु शहरी क्षेत्र में रूपये 10.00 लाख प्रति हेक्टेयर तथा ग्रामीण क्षेत्र में रूपये 5.00 लाख प्रति हेक्टेयर रिजर्व प्राईस निर्धारित किया गया है।

3.3 निजी निवेशकों को हेरिटेज होटल स्थापना हेतु शासकीय हेरिटेज सम्पत्तियों का 90 वर्ष की लीज पर ऑन लाईन निविदा के माध्यम से आवंटन एवं निविदा हेतु रिजर्व प्राईस मात्र रूपये 1.00 लाख प्रावधानित है।

3.4 रूपये 100 करोड़ से अधिक निवेश की पर्यटन परियोजनाओं की स्थापना हेतु कलेक्टर गाईड लाईन रेट पर शासकीय भूमि का 90 वर्ष की लीज पर, ''प्रथम आओ प्रथम पाओ'' आधार पर आवंटन किए जाने का प्रावधान है।

3.5 मार्ग सुविधा केंद्रों का ऑन लाईन निविदा के माध्यम से 60 वर्षों की लीज पर निवेशकों को संचालन हेतु आवंटन एवं निविदा हेतु रिजर्व प्राईस रूपये 10.00 लाख मात्र निर्धारित किया गया है।

3.6 नवीन मार्ग सुविधा केंद्रों की स्थापना हेतु ऑन लाईन निविदा के माध्यम से 60 वर्षों की लीज पर निवेशकों को भूमि आवंटन एवं निविदा हेतु रिजर्व प्राईस रूपये 10.00 लाख अधिकतम 02 हेक्टेयर भूमि हेतु निर्धारित किया गया है।

3.7 वाटर टूरिज्म गतिविधियों हेतु नोटिफाईड जल क्षेत्रों में ऑन लाईन आवेदन पर ''प्रथम आओ प्रथम पाओ'' आधार पर 10 वर्षों हेतु लायसेंस फीस बोट कैपेसिटी के हिसाब से मात्र रूपये 10,000/– से 50,000/– तक प्रावधानित है।

3.8 नोटिफाईड कैम्पिंग साईट्स का 05 वर्ष हेतु लायसेंस पर प्रथम आओ प्रथम पाओ कैम्पिंग हेतु आवंटन व लायसेंस फीस मात्र रूपये 25,000/–रखा गया है।

3.9 लागत पूंजी अनुदान हेतु ऑन लाईन आवेदन व पूर्ण आवेदन पत्र का निराकरण लोक सेवा गारंटी एक्ट अंतर्गत 45 दिनों में किया जाना अनिवार्य किया गया है।

3.10 सतत निवेशक परामर्श एवं फेसिलिटेशन हेतु मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड–नोडल एजेंसी।

3.11 हेरिटेज परिसम्पत्तियों प्रमाणीकरण एम.पी टूरिज्म बोर्ड अधिकृत एजेंसी किया गया है ।

3.12 वाईल्ड लाईफ रिसोर्टस को रियायती दरों एवं सरल शर्तो पर बॉर लायसेंस प्रदाय करना ।

3.13 **आकर्षक अनुदान एवं रियायतें** –

3.13.1 होटल, रिसोर्ट, कन्वेंशन सेंटर, हेरिटेज होटल सहित नीति में वर्णित सभी पर्यटन परियोजनाओं को स्थाई पूंजी निवेश पर 15 प्रतिशत की दर से रूपये 50.00 लाख से रूपये 10.00 करोड़ तक अनुदान दिये जाने का प्रावधान है।

3.13.2 आवंटित शासकीय भूमि पर मूल अधोसंरचना निर्माण हेतु रूपये 50.00 लाख से अधिक किये गये व्यय पर 25 प्रतिशत की दर से रूपये 3.00 करोड़ तक अनुदान दिये जाने का प्रावधान है।

3.13.3 रोप वे स्थापना पर पूँजीगत व्यय पर 40 प्रतिशत की दर से रूपये 5.00 करोड़ तक अनुदान प्रदाय करने का प्रावधान है

3.13.4 एमफीबियन पर्यटक वाहन तथा सी प्लेन खरीदी एवं संचालन पर 25 प्रतिशत की दर से रूपये 10.00 करोड़ तक अनुदान का प्रावधान है।

3.13.5 हॉट एयर बेलूनिंग पर रूपये 50.00 लाख से अधिक के पूंजीगत व्यय पर 50 प्रतिशत की दर से लागत पूंजीगत अनुदान किश्तों में 5 वर्षो तक दिये जाने का प्रावधान है।

3.13.6 वाईल्ड लाईफ एरिया क्लासीफिकेशन अनुसार वाईल्ड लाईफ रिसोर्ट को 20 प्रतिशत की दर से रूपये 3.00 करोड़ तक अनुदान प्रावधानित है।

3.13.7 वृहद, मेगा एवं अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं को 30 प्रतिशत की दर से लागत पूंजी अनुदान किश्तों में 04 वर्षो तक व अधिकतम सीमा श्रेणी अनुसार रूपये 15.00 करोड़ से 90.00 करोड़ तक अनुदान प्रावधानित है ।

3.13.8 लागत पूंजी अनुदान के अलावा ब्रांडेड होटल, रिसोर्टस एवं हेरिटेज होटल्स को रूम रेन्ट टर्न ओवर पर श्रेणी अनुसार 20 से 30 प्रतिशत की दर से रूपये 50.00 लाख से रूपये 3.00 करोड़ तक प्रति वर्ष संचालन सहायता अनुदान तीन वर्षो तक दिया जाना प्रावधानित है।

3.13.9 दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में स्थापित की जाने वाली पर्यटन परियोजनाओं हेतु 5 प्रतिशत अतिरिक्त लागत पूंजी अनुदान की पात्रता होगी ।

3.13.10 अनुसूचित एवं जनजाति के उद्यमियों को पर्यटन परियोजना स्थापना पर 5 प्रतिशत अतिरिक्त लागत पूंजी अनुदान दिया जाना।

3.13.11 पूर्व स्थापित होटल्स एवं रिसोर्टस को अपग्रेड एवं आधुनिकीकृत करने पर किये गये रूपये 10.00 करोड़ से अधिक पूँजीगत निवेश पर नवीन इकाई के समान अनुदान दिया जाना प्रावधानित है।

3.13.12 होटल एवं रिसोर्टस को प्रदूषण उपचार संयंत्र स्थापना पर रूपये 10.00 लाख से अधिक पूंजी निवेश पर 25 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है।

3.13.13 राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मार्केटिंग ईवेंटस में भाग लेने पर पर्यटन इकाईयों को रूपये 50,000/–से रूपये 1.00 लाख तक की प्रति कार्यक्रम प्रतिपूर्ति का प्रावधान है।

3.13.14 पर्यावरण मित्र इकाईयों को ईको टूरिज्म सोसायटी आफ इंडिया से प्रमाण पत्र प्राप्त करने पर रूपये 1.00 लाख तक की प्रतिपूर्ति का प्रावधान है।

3.13.15 आवंटित शासकीय भूमियों/परिसम्पत्तियों के लीज पंजीयन आदि पर स्टाम्प ड्यूटी एवं पंजीयन शुल्क की शत प्रतिशत प्रतिपूर्ति का प्रावधान है।

**4. मार्ग सुविधा केन्द्र नीति (2016) संशोधित 2019 में जनहित के लिए किये गये बदलाव –**

प्रदेश की भोगौलिक स्थिति देश में किसी भी भाग में आवागमन हेतु केन्द्रीय स्थिति होने के कारण काफी महत्वपूर्ण है। प्रदेश से होकर आने जाने वाले पर्यटकों को यात्रा के दौरान अच्छी एवं गुणवत्तापूर्ण मार्ग सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से मार्ग सुविधा केन्द्र नीति (2016) यथा संशोधित 2019 लागू की गई –

4.1 आवंटित मार्ग सुविधा केन्द्रों ब्राउन फील्ड एवं ग्रीन फील्ड की लीज अवधि 30 वर्ष के संचालन उपरान्त 6 गुना लीज रेंट की वृद्धि के साथ 30 वर्ष की लीज अवधि बढाने का प्रावधान किया गया है।

4.2 ऑयल कंपनियां/पेट्रोल पम्प के स्वामी/फर्म/कम्पनी के साथ मार्ग सुविधा केन्द्र स्थापित करते हैं तो नीति अनुरूप इन्हें फ्रेंचाइजी दी जायेगी। ऐसे मामलों में फ्रेंचाइजी आवंटन में संबंधितों को प्राथमिकता दी जायेगी।

**5. पर्यटन परियोजनाओं की स्थापना हेतु निजी निवेशकों को मार्ग सुविधा केन्द्रों (WSA) का निवर्तन –**

5.1 ब्राउन फील्ड मॉडल की 18 मार्ग सुविधा केन्द्रों के संचालन एवं प्रबंधन हेतु लीज अनुबंध निष्पादित किये गये है ।

5.2 फ्रेंचाइजी मॉडल की 04 मार्ग सुविधा केन्द्रों का निवेशकों के साथ फ्रेंचाइजी अनुबंध किया गया है।

5.3 ग्रीन फील्ड मॉडल की 03 मार्ग सुविधा केन्द्रों हेतु निवेशकों के साथ लीज अनुबंध निष्पादित किया गया है ।

**6. निजी निवेश से स्थापित पर्यटन परियोजनाओं को पूँजीगत अनुदान का प्रदाय–**

6.1 पर्यटन नीति अंतर्गत प्रदेश में निजी निवेशकों द्वारा 15 पर्यटन परियोजनाओं की स्थापना पर राशि रू. 18.10 करोड़ का पूंजीगत अनुदान वितरण, जिसके फलस्वरूप 206 करोड़ का राज्य में पूंजी निवेश, 590 नये कमरों का निर्माण हुआ।

**7. निजी निवेशकों द्वारा पर्यटन परियोजनाओं की स्थापना हेतु लैण्ड बैंक की स्थापना एवं भूमि आवंटन–**

प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर पर्यटन परियोजनाओं की स्थापना हेतु लगभग 698.431 हेक्टेयर भूमि का लैण्ड बैंक बनाया गया है ।

7.1 बोर्ड के लैण्ड बैंक अंतर्गत प्रदेश के 19 स्थलों पर 160.848 हेक्टेयर भूमि के चिन्हांकन एवं 36 स्थलों की 219.282 हेक्टेयर भूमि हेतु प्रस्ताव संबंधित जिला कलेक्टर को प्रेषित किये गये तथा 42 स्थलों की 308.152 हेक्टेयर भूमियों का पर्यटन विभाग के पक्ष में हस्तांतरण/आवंटन आदेश जारी कराये गये।

7.2 प्रदेश की 03 भूमियों (धाराजी जिला देवास, लखनपुरा जिला मण्डला एवं निनोद जिला रायसेन) पर पर्यटन परियोजना की स्थापनार्थ नीति अनुसार निजी निवेशकों को आवंटित की गई।

7.3 ग्राम लखनुपरा (जिला मण्डला) भूमि 10.110 हेक्टेयर एवं ग्राम श्योपुर (जिला श्योपुर) भूमि 1.076 हेक्टे. निविदा प्रक्रिया के माध्यम से निजी निवेशकों को आवंटित किये जाने हेतु लैटर ऑफ अवार्डस जारी किये गये।

**8. हेरिटेज परिसम्पत्तियों की बैंक व निवर्तन –**

मध्यप्रदेश की चयनित हेरिटेज परिसम्पत्तियों को निजी क्षेत्र के माध्यम से हेरिटेज होटल के रूप में विकास कर संचालन हेतु हेरिटेज परिसम्पत्तियों (बेनजीर पैलेस भोपाल, माधवगढ़ फोर्ट सतना, रायल

भवन जबलपुर, बल्देवगढ़ टीकमगढ़, विजय राघवगढ कटनी, क्योटि फोर्ट रीवा, महेन्द्र भवन पन्ना, सिंहपुर पैलेस, चंदेरी, मोतीमहल ग्वालियर) का बैंक बनाया गया है ।

8.1 पर्यटन परियोजना की स्थापना हेतु हेरिटेज परिसम्पत्ति राजगढ़ पैलेस, दतिया को हेरिटेज होटल के रूप में विकसित कर संचालन हेतु निजी निवेशक को लीज पर आवंटित किया गया ।

**9. निवेश संवर्धन शाखा द्वारा आयोजनों में भागीदारी –**

मध्यप्रदेश के समग्र पर्यटन विकास तथा प्रदेश की पर्यटन परियोजनाओं में निजी निवेश आकर्षित करने एवं प्रदेश की पर्यटन नीति, निवेश संभावनाओं एवं निवेशकों को उपलब्ध सुविधाओं के प्रचार प्रसार हेतु बोर्ड द्वारा वर्ष के दौरान निम्न आयोजनों में भाग लिया गया–

9.1 'एम्यूजमेंट एक्सपो 2019 दिनांक 6–8 मार्च 2019, गोरेगांव, मुम्बई – इंडियन एसोसियेशन ऑफ एम्यूजमेंट पार्कस एण्ड इण्डस्ट्रीज द्वारा गोरेगॉव मुम्बई में आयोजित 'एम्यूजमेंट एक्सपो 2019 में निवेश संवर्धन शाखा के संचालक, संयुक्त संचालक एवं सहायक संचालक ने भाग लिया। स्थल पर प्रदर्शनी सह सूचना केन्द्र की स्थापना की गई जिसमें इच्छुक निवेशकों को प्रदेश में पर्यटन परियोजनाओं में निवेश की सम्भावनाओं पर जानकारी प्रदान की गई तथा चयनित निवेशकों के साथ वन टू वन मीटिंग्स की गयी।

9.2 इंडिया–नेपाल बिजनेस समिट, दिनांक 30.05.2019, भोपाल – नेपाल एम्बेसी, इण्डिया नेपाल सेन्टर, स्टेट डेव्हलपमेंट कांउसिल, द्वारा PHDCCI के सहयोग से आयोजित समिट में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के संचालक (नि.सं.) ने अधिकारियों के साथ भाग लिया। संचालक (नि.सं.) ने भारत एवं नेपाल द्वारा पारस्परिक रूप से किये जाने वाले कार्यों तथा राज्य की पर्यटन परियोजनाओं में निवेश की संभावनाओं पर प्रस्तुतीकरण दिया।

9.3 इन्वेस्टर्स समिट (रोड शो) दिनांक 19 जुलाई 2019, सूरत–बोर्ड की मार्केटिंग शाखा द्वारा सूरत में आयोजित रोड शो में निवेश संवर्धन प्रभाग से प्रबंधक ने भाग लिया तथा प्रदेश की पर्यटन परियोजनाओं में निजी निवेश की संभावनाओं पर निवेशकों से सम्पर्क किया तथा उन्हें प्रदेश में निवेश संभावनाओं की जानकारी से अवगत कराया।

9.4 इन्वेस्टर्स समिट (रोड शो) दिनांक 27 जुलाई 2019, बैंगलोर–बोर्ड की मार्केटिंग शाखा द्वारा आयोजित रोड शो में निवेश संवर्धन प्रभाग से संचालक एवं प्रबंधक ने भाग लिया तथा रोड शो में प्रदेश की पर्यटन परियोजनाओं में निजी निवेश की संभावनाओं पर प्रस्तुतीकरण दिया एवं निवेशकों से वन टू वन मीटिंग्स की।

9.5 इन्वेस्टर्स समिट (रोड शो) दिनांक 31 अगस्त 2019, पुणे– बोर्ड की मार्केटिंग शाखा द्वारा आयोजित रोड शो में निवेश संवर्धन प्रभाग से संचालक ने भाग लिया तथा प्रदेश की पर्यटन

परियोजनाओं में निजी निवेश की संभावनाओं पर निवेशकों से सम्पर्क कर उन्हें प्रदेश में निवेश करने हेतु आमंत्रित किया।

9.6 IHHA वार्षिक कन्वेंशन, दिनांक 7–8 सितम्बर 2019, पुष्कर – मध्यप्रदेश की पर्यटन परियोजनओं में निजी निवेश आमंत्रित करने के उद्देश्य से इंडियन हेरिटेज होटल एसोसियेशन (IHHA) द्वारा पुष्कर में आयोजित वार्षिक कन्वेंशन में बोर्ड की ओर से संचालक, सहा. संचालक एवं प्रबंधक ने भाग लिया । स्थल पर प्रदर्शनी सह सूचना केन्द्र की स्थापना की गई। संचालक (नि.सं.) ने कन्वेंशन के मुख्य अवसर पर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर प्रस्तुतीकरण दिया तथा इच्छुक निवेशकों के साथ वन टू वन मीटिंग्स की ।

9.7 'मैंग्नीफिसेंट मध्यप्रदेश 2019' दिनांक 18 अक्टूबर 2019, इंदौर :– मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयोजित 'मैग्नीफिसेंट एमपी 2019' इन्वेस्टमेंट समिट में अपर प्रबंध संचालक (MPSTDC) ने बोर्ड व निगम के अधिकारियों के साथ भाग लिया । आयोजन स्थल पर आकर्षक प्रदर्शनी की स्थापना की गई तथा पर्यटन के स्टेक होल्डर्स के साथ पृथक से टूरिज्म सेशन आयोजित किया गया । प्रबंध संचालक ने टूरिज्म सेशन में निवेशकों एवं स्टेक होल्डर्स के समक्ष प्रदेश के पर्यटन परियोजनाओं में निजी निवेश की संभावनाओं पर प्रस्तुतीकरण दिया तथा निवेशकों के साथ वन टू वन मीटिंग्स की। मैग्नीफिसेंट एमपी 2019 के वेबपोर्टल पर 44 निवेशकों ने प्रदेश की पर्यटन परियोजनाओं में निवेश हेतु “Intention to invest” के प्रस्ताव दर्ज किये जिसमें से वेस्ले ग्रुप द्वारा सांची के पास ग्राम निनोद में 220.00 करोड़ रूपये की लागत से वर्ल्ड क्लास गोल्फ की स्थापनार्थ 70.718 हेक्टेयर भूमि आवंटन हेतु लैटर ऑफ अवार्ड जारी किया गया ।

<u>परिशिष्ट–तेरह</u>

# पर्यटन अधोसंरचना संबंधी उपलब्धियॉ

1 दिनांक 10 फरवरी 2019 को ऐतिहासिक नगरी माण्डू हिन्डोला महल (जहाज महल परिसर) में ध्वनि एवं प्रकाश कार्यक्रम का लोकार्पण संपन्न हुआ।

2 मिंटो हॉल में रेस्टोरेंट का दिनांक 21.02.2019 को शुभारंभ किया गया।

3 दिनांक 01 मार्च 2019 को सॉची में साउण्ड एण्ड लाईट शो का शुभारंभ किया गया।

4 दिनांक 22 अप्रैल 2019 को किला कोठी चंदेरी में 02 एसी डीलक्स कक्षों का निर्माण किया गया एवं 22 अप्रैल 2019 से कक्ष प्रारंभ किये गये।

5 माह मई 2019 में इकाई कलचुरी कैफे, डुमना में 02 कक्ष को प्रारंभ किया गया।

6 दिनांक 08.08.2019 को मध्यालोक भवन, मुम्बई का माननीय मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन द्वारा लोकार्पण किया गया।

7 पर्यटन अधोसंरचना के स्वीकृत/प्रगतिरत कार्यो का विवरण –

**(राशि रूपये लाख में)**

| स. क्र. | मद/कार्य का नाम | लागत राशि |
|---|---|---|
| अ | **1251–पर्यटन अधोसरंचना का विकास–64–वृहद निर्माण कार्य (सामान्य)** | |
| 1 | रिक्रेयशन जोन पममढ़ी में लेजर एवं मल्टीमीडिया शो की स्थापना एवं संचालन/संधारण के कार्य | 264.00 |
| 2 | रामघाट पर नर्मदा किनारे पिचिंग कार्य। | 26.30 |
| 3 | शेषावतार मंदिर कुकडेश्वर जिला नीमच मे सत्संग भवन का निर्माण | 7.95 |
| 4 | कुनो पालपुर जिला श्योपुर स्थित कुनो नदी के पास पर्यटन जलक्रीड़ा सुविधा, टिकिट काउंटर एवं जेट्टी का निर्माण | 141.10 |
| 5 | जनसुविधा केन्द्र लघु एवं वृहद | 417.70 |
| 6 | जनसुविधा केन्द्र लघु एवं वृहद | 433.11 |
| 7 | कन्वेंशन सेंटर खजुराहो में पर्यटन सुविधाओं के विभिन्न विकास कार्य। | 1644.36 |
| 8 | निगम के विभिन्न 17 इकाईयों में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना के कार्य। | 553.71 |
| 9 | कुटनी डेम में बोट क्लब, जेट्टी एवं एक्यूपमेंट का कार्य। | 164.10 |
| 10 | रिक्रियेशन जोन पंचमढ़ी में एम्फिथियेटर, हाटबाजार, प्लाजा डेवलपमेंट एवं अन्य विकास कार्य। | 189.00 |
| 11 | मुकुंदपुर जिला–सतना में 16 सीटर शौचालय का निर्माण कार्य। | 22.17 |
| 12 | अमरकंटक में पर्यटकों को बेहतर सुविधा हेतु नवीन होटल (रिसोर्ट का निर्माण। | 531.82 |
| 13 | श्री जटाशंकर महोदव मंदिर, शुजालपुर में विभिन्न विकास कार्य। | 390.00 |
| 14 | श्री जटाशंकर धाम, बिजावर, जिला–छतरपुर में रोप–वे के निर्माण कार्य। | 1263.31 |

| | | |
|---|---|---|
| 15 | नरसिंहपुर जिले में घाट, टॉयलेट, डे–शेल्टर, पार्किंग एवं पाथवे का कार्य। | 148.52 |
| 16 | सालबर्डी गांव से श्री क्षेत्र ससा रक्षण मंदिर सालबर्डी तक रोड निर्माण कार्य। | 50.35 |
| 17 | राजा महल परिसर, ओरछा स्थित जनसुविधा का उन्नयन कार्य। | 21.07 |
| 18 | जहांगीर महल परिसर, ओरछा स्थित जनसुविधा का उन्नयन कार्य। | 11.30 |
| | **योग** | **6279.87** |
| **ब** | **1251–पर्यटन अधोसंरचना का विकास–64–वृहद निर्माण कार्य अनुसूचित जनजाति उपयोजना** | |
| 1 | करीला माता मंदिर जिला अशोक नगर में पर्यटन सुविधाओं का विकास | 574.00 |
| 2 | अमरकंटक में कम्युनिटी हाल एवं अन्य विकास कार्य | 150.00 |
| 3 | कोटेश्वर निसरपुर एवं मेघनाद घाट चंदनखेड़ी में विभिन्न विकास कार्य। | 158.39 |
| 4 | सरही रिसोर्ट कान्हा में साहसिक गतिविधिया विकसित करने बावत। | 84.17 |
| 5 | किपलिंग कोर्ट पेंच में साहसिक गतिविधिया विकसित करने बावत। | 82.79 |
| 6 | कान्हा सॅफारी लॉज मुक्की में साहसिक गतिविधिया विकसित करने बावत। | 85.29 |
| 7 | जंगल रिसोर्ट मोचा में साहसिक गतिविधिया विकसित करने बावत। | 84.82 |
| 8 | पाताल कोट तामिया जिला छिंदवाड़ा में रेलिंग, व्यू पाईंट, वाटर सप्लाई लाईन, प्रवेश द्वार, प्लाजा एवं विभिन्न विकास कार्य। | 197.62 |
| 9 | कुनो पालपुर जिला श्योपुर में कैफेटेरिया का निर्माण एवं चिल्ड्रन प्ले इक्यूपमेंट का कार्य | 84.92 |
| 10 | गणेश मंदिर धरहार कुंड पुष्पराजगढ़ जिला अनूपपुर में विभिन्न विकास कार्य | 65.00 |
| 11 | पतालकोट तमिया जिला छिंदवाडा मे पाथवे फेंसिंग एवम गजीबो का निर्माण कार्य | 71.00 |
| 12 | पतालकोट तमिया जिला छिंदवाडा मे टायलेट ब्लाक का निर्माण कार्य | 21.00 |
| 13 | पर्यटक स्वागत केंद्र बांधवगढ जिला उमरिया मे (सोलर पी.वी. सिस्टम) का कार्य | 25.35 |
| 14 | पर्यटक स्वागत केंद्र मोचा जिला मंडला मे (सोलर पी.वी. सिस्टम) का कार्य | 25.35 |
| 15 | पर्यटक स्वागत केंद्र मुक्की जिला बालाघाट मे (सोलर पी.वी. सिस्टम) का कार्य | 16.90 |
| 16 | पर्यटक स्वागत केंद्र परसली जिला सीधी मे (सोलर पी.वी. सिस्टम) का कार्य | 16.90 |
| 17 | पर्यटक स्वागत केंद्र कूनोपालपुर जिला श्योपुर मे (सोलर पी.वी. सिस्टम) का कार्य | 16.90 |
| 18 | निगम की इकाई मालवा रिसोर्ट माण्डूं में 16 नवीन कक्ष एवं किचिन का निर्माण कार्य | 850.73 |
| 19 | ग्राम कंजई, लालबर्रा, जिला–बालाघाट में दिवस बसैरा एवं अन्य विकास कार्य। | 40.36 |
| 20 | छिंदवाड़ा जिले में स्थित जमतरा गेट पर पर्यटन सुविधाओं के कार्य। | 642.37 |
| | **योग** | **3293.86** |
| **स** | **1251–पर्यटन अधोसरंचना का विकास–64–वृहद निर्माण कार्य अनुसूचित जाति उपयोजना** | |
| 1 | नर्मदा रिट्रीट महेश्वर के आसपास विभिन्न विकास कार्य। | 461.33 |
| 2 | कन्वेंशन सेंटर सांची में शेष सिविल कार्य। | 307.15 |
| 3 | खेड़ापति मंदिर, परासिया, जिला–छिंदवाड़ा में डे–शेल्टर, पार्किंग, जनसुविधा का निर्माण एवं साईनेजेस का कार्य। | 130.00 |

| | | |
|---|---|---|
| 4 | देवरानी दाई वाटर फॉल, परासिया, जिला–छिंदवाड़ा में डे–शेल्टर, पार्किंग, जनसुविधा का निर्माण एवं साईनेजेस व लैण्डस्केपिंग का कार्य। | 227.00 |
| 5 | जिल्हेरी घाट, परासिया, जिला–छिंदवाड़ा में डे–शेल्टर, घाट, व्यू प्वाईंट का निर्माण एवं अन्य विकास कार्य। | 108.00 |
| 6 | कोसमी हनुमान मंदिर, परासिया, जिला–छिंदवाड़ा में डे–शेल्टर, पार्किंग, जनसुविधा का निर्माण एवं लैण्डस्केपिंग का कार्य। | 352.00 |
| 7 | झोतेश्वर धाम, गोटेगांव जिला–नरसिंहपुर में विकास कार्य। | 358.00 |
| | **योग** | **1943.48** |
| **द** | **सामान्य–6580–पर्यटन क्षेत्र में कौशल विकास–64 वृहद निर्माण कार्य** | |
| 1 | फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट रीवा एवं होटल विंध्य रिट्रिट रीवा तक पहुच मार्ग | 224.00 |
| 2 | होटल प्रबंधन संस्थान जबलपुर में बॉयज एंड गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण | 365.00 |
| 3 | फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट खजुराहो में शेष अतिरिक्तड विभिन्न कार्य जैसे– बाउण्ड्री वॉल, चेनलिंक फेंसिंग, पार्किंग, रिटेनिंग वॉल एवं लेण्ड स्केपिंग आदि कार्य। | 189.26 |
| 4 | एस.आई.एच.एम. इन्दौर में वॉयज एण्ड गर्ल्स हॉस्टल का अपग्रेडेशन का कार्य। | 241.14 |
| 5 | फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट, जबलपुर में हॉस्टल एवं मेस हेतु फर्नीचर प्रदाय करने का कार्य। | 27.44 |
| 6 | फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट, जबलपुर के हॉस्टल ब्लॉक, मैनेजर क्वार्टर तथा स्टाफ ब्लॉक हेतु बाह्य विद्युतिकरण के कार्य। | 25.22 |
| 7 | फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट, रीवा में फर्निशिंग एण्ड फर्नीचर का कार्य। | 26.72 |
| 8 | MPIHTTS भवन के द्वितीय तल पर कक्षों एवं अन्य निर्माण कार्य। | 39.97 |
| | **योग** | **1138.75** |
| **ई** | **0699–साउण्ड एण्ड लाईट शो की स्थापना** | |
| 1 | चन्देरी किला चन्देरी जिला अशोकनगर। | 650.00 |
| 2 | शाही किला बुरहानपुर जिला बुरहानपुर। | 550.00 |
| 3 | ध्वनि एवं प्रकाश कार्यक्रम ग्वालियर का नवीनीकरण कार्य। | 690.00 |
| 4 | ध्वनि एवं प्रकाश कार्यक्रम खजुराहो जिला छतरपुर का नवीनीकरण कार्य। | 650.00 |
| | **योग** | **2540.00** |
| **फ** | **1271–पर्यटन नीति का क्रियान्वयन–0102–अनूसूचित जनजाति उपयोजना–64–वृहद निर्माण कार्य–001** | |
| 1 | फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट जबलपुर में वॉयस होस्टल, ग्राउण्ड फ्लोर पर मेस ब्लॉक, फर्स्ट फ्लोर पर वार्डन हाऊस मय फर्नीचर एवं किचिन इक्यूपमेंट आदि कार्य। | 137.71 |
| 2 | धरमपुरी जिला–धार में पर्यटन विकास के कार्य। | 126.93 |
| 3 | पुराना पानी बड़ादेव मंदिर, ग्राम जमुनिया जिला जबलपुर में हाट बाजार, डे–शेल्टर एवं गार्डन का निर्माण कार्य। | 199.41 |
| | **योग** | **464.05** |
| | **महायोग (अ+ब+स+द+ई+फ)** | **15660.01** |

# साहसिक एवं जलक्रीड़ा पर्यटन संबंधी उपलब्धियां

1 **साहसिक पर्यटन –**

- प्रदेश में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनुबंधित संस्था के सहयोग से 30 नवीन कैम्प साईट का चयन किया गया।
- 30 नवीन कैम्प साईटों पर कैम्प ऑपरेटरों का Placement कर कैम्पिंग एवं साहसिक गतिविधियों हेतु प्रशिक्षण दिया गया।
- नवीन कैम्प साईटों पर कुल 41 कैम्पिंग गतिविधियाँ आयोजित की गई, जिसमें 1827 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया।
- प्रदेश के अन्य निजी कैम्प साईट पचमढ़ी, नागरबेड़ा, परसिली, भेड़ाघाट इत्यादि पर कैम्पिंग गतिविधियों का आयोजन कराया गया, जिसमें 3000 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया।
- प्रदेश में प्रथम बार 100 एडवेन्चर प्रोडक्ट का निर्माण।
- साहसिक पर्यटन ब्रोशर का निर्माण किया गया।
- प्रदेश के 11 प्रमुख पर्यटन स्थल भोपाल, इन्दौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, विदिशा, बुरहानपुर, पन्ना, औरछा, खजुराहो एवं चन्देरी में 12 अक्टूबर से 07 दिसम्बर–2019 के मध्य प्रत्येक सप्ताहांत 103 सिटी वॉक का आयोजन, जिसमें लगभग 2000 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया।

2 **जलक्रीड़ा गतिविधि–**

- प्रदेश में नवीन अधिसूचित जलक्षेत्र कोलार, जिला भोपाल एवं माचागोरा जलक्षेत्र जिला छिन्दवाड़ा में जलक्रीड़ा गतिविधियॉ प्रारम्भ की गई।
- इस वर्ष जलक्रीड़ा हेतु कुल 9 गतिविधियों के लिए लायसेंस निजी निवेशकों को प्रदाय किया गया।
- बेतवा नदी ओरछा में भीषण रूप से बाढ़ आई थी जिसमें ओरछा में पर्यटन विकास निगम की राफ्टिंग टीम ने कई परिवारों को बाढ़ से बचाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुचाया था। इस साहसिक कार्य हेतु मान. पर्यटन मंत्री जी द्वारा ओरछा के राफ्टिंग टीम को मध्यप्रदेश राज्य के स्थापना दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया एवं नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।
- सैलानी बोट क्लब एवं बरगी बोटक्लब में अत्याधुनिक सोफा बम्फर बोट प्रदाय की गई।
- सैलानी वाटर स्पोर्टस रिसोर्ट के लिए दो बनाना बोट प्रदाय की गई।

- गॉधी सागर वाटर रिसोर्ट में जलक्रीड़ा गतिविधियों हेतु क्रूज बोट, स्पीड बोट एवं मिनी क्रूज के जरिये Promotion किया गया।

3 **पर्यटन क्विज -**

- प्रदेश के कला, संस्कृति, इतिहास, धरोहर, खान–पान इत्यादि से परिचित कराने एवं पर्यटन के क्षेत्र में जागरूकता लाने के उद्देश्य से पर्यटन क्विज का आयोजन जिला स्तर पर 7 अगस्त 2019 एवं राज्य स्तर पर 5 सितम्बर 2019 को किया गया। इस वर्ष सर्वाधिक 8400 विद्यालयों के लगभग 25 हजार विद्यार्थियों द्वारा भाग लिया गया।
- पर्यटन क्विज के विधियों का कॉपी–राईट एवं लोगो का पेटेन्ट कराया गया।

4 **जिला पर्यटन संवर्धन परिषद/जिला पुरातत्व एवं पर्यटन परिषद -**

- जिला पर्यटन संवर्धन परिषद, जिला खरगौन द्वारा पर्यटन पर्व अंतर्गत महेश्वर में 2 अक्टूबर 2019 से 12 अक्टूबर 2019 तक विभिन्न कार्यक्रम हुए, जिसमें 2 अक्टूबर 2019 को स्वच्छता अभियान, 03 अक्टूबर को साईकिल रेस 4 अक्टूबर को सांस्कृतिक कार्यक्रम, 5 अक्टूबर को मैराथन दौड़ एवं 55 देशों के 700 छात्रों को महेश्वर के विभिन्न पर्यटन स्थलों का एक्सपोजर विजिट कराया गया। दिनांक 10 अक्टूबर 2019 को मंडलेश्वर में फलाहारी व्यंजन प्रतियोगिता, 11 अक्टूबर 2019 को चित्रकला प्रतियोगिता, बाजीराव पेशवा की समाधि स्थल, ग्राम रावेरखेड़ी में दिनांक 12 अक्टूबर 2019 को रंगोली प्रतियोगिता एवं 12 अक्टूबर 2019 को नवग्रह मंदिर खरगौन से किला परिसर खरगौन तक टूरिज्म वॉक का आयोजन किया गया।
- जिला पर्यटन संवर्धन परिषद द्वारा छिन्दवाड़ा में 10 नवम्बर से 24 नवम्बर 2019 के मध्य छिन्दवाड़ा वॉक का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत नगरवासियों, पर्यटकों एवं छात्र/छात्राओं को नगर छिन्दवाड़ा के पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया गया।
- जिला पर्यटन संवर्धन परिषद छिन्दवाड़ा द्वारा 7 दिसम्बर 2019 को पेन्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 2.75 लाख छात्र/छात्राओं द्वारा भाग लिया गया।
- जिला पर्यटन संवर्धन परिषद छिन्दवाड़ा द्वारा कॉर्न फेस्टिवल का आयोजन 15 से 16 दिसम्बर 2019 तक आयोजित किया गया, जिसके अंतर्गत मक्के से बने व्यंजनों की प्रदर्शिनी आयोजित की गई।
- जिला पर्यटन संवर्धन परिषद होशंगाबाद द्वारा 25 से 30 दिसम्बर 2019 के मध्य पचमढ़ी में पचमढ़ी महोत्सव अंतर्गत एडवेन्चर फेस्टिवल का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत साहसिक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

- जिला पर्यटन संवर्धन परिषद इन्दौर द्वारा 07 दिसम्बर से 11 दिसम्बर 2019 तक एडवेन्चर एवं वॉटर स्पोर्ट्स का आयोजन किया गया।
- जिला पर्यटन संवर्धन परिषद धार द्वारा 28 दिसम्बर 2019 से 01 जनवरी 2020 के मध्य माण्डू महोत्सव का आयोजन एवं इसके अंतर्गत फूड फेस्टिवल, साईक्लिंग टूर, हॉट एयर बेलून एवं हैरिटेज वॉक, ट्रेजर हंट इत्यादि एडवेंचर गतिविधियों का आयोजन किया गया।
- 02 अक्टूबर 2019 से 13 अक्टूबर 2019 तक प्रदेश के समस्त जिला पर्यटन संवर्धन परिषदों ने गांधीजी की 150वी जयंती के अवसर पर पर्यटन पर्व अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें स्वच्छता कार्यक्रम एवं गांधीजी के विचारों से संबंधित संगोष्ठी, प्रदर्शिनी इत्यादि आयोजित की गई।

5 **फिल्म पर्यटन -**

- प्रदेश में इस वर्ष फिल्मों, टीवी धारावाहिकों एवं वेब–सीरीज मिलाकर लगभग 15 प्रोजेक्ट शुरू किये गये, जिनमें से प्रमुख फिल्में कलंक, लव ऑल, मोतीचूर–चकनाचूर, पंगा, मणिकर्णिका, लुका–छिपी, जीनियस, मी–टू मैं भी, फ्रॉड सैंया इत्यादि हैं। प्रमुख टीवी धारावाहिक हैं– रेनवो, नर्मदा एंथम, मरियम खान रिपोटिंग लाईव, आदि शंकराचार्य, कालभैरव रहस्य, एक थी रानी, एक था रावण इत्यादि। वेब–सीरीज गुल्लक, पंचायत, रंगबाज ।
- प्रदेश में इस वर्ष तीन अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं की शूटिंग हुई, जिसमें Paramount's Pictures की TV Show- The Bear एवं ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन की A Suitable Boy तथा Features Film- White Tiger प्रमुख हैं।

MADHYA PRADESH
The heart of
Incredible !ndia
मध्यप्रदेश शासन
पर्यटन विभाग
माण्डू उत्सव